CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 313 ता. 25 मई 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भारत में लॉन्च हुआ कोरोना का एंटीबॉडी कॉकटेल, एक खुराक के लिए देने होंगे 59,750 रुपये

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संकट और वैक्सीन की किल्लत साथ-साथ जारी है। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा तैयार एंटी कोविड दवा 2-डीजी को लॉन्च किया। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में यह दवा मील का पत्थर साबित हो सकती है। इस बीच प्रमुख दवा कंपनी रोश इंडिया और सिप्ला ने सोमवार को भारत में रोश के एंटीबॉडी कॉकटेल को पेश करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 59,750 रुपये प्रति खुराक है। कहा जा रहा है कि इस कॉकटेल से कोविड-19 के अत्यधिक बीमार मरीजों का इलाज किया जाएगा। सिप्ला और रोश ने एक संयुक्त बयान में कहा, एंटीबॉडी कॉकटेल (कैसिरिविमैब और इमदेविमाब) की पहली खेप भारत में उपलब्ध है, जबकि दूसरी खेप जून के मध्य तक उपलब्ध होगी। कुल मिलाकर इन खुराकों से दो लाख रोगियों का इलाज किया जा सकता है। सिप्ला देश भर में अपनी मजबूत वितरण क्षमता की मदद से इस दवा का वितरण करेगी। बयान के मुताबिक प्रत्येक रोगी के लिए खुराक की कीमत 59,750 रुपये होगी, जिसमें सभी कर शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया कि दवा प्रमुख अस्पतालों और कोविड उपचार केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध होगी।

कोरोना काल में बिगड़ी सरकार की छवि ?

UP को लेकर संघ के साथ बीजेपी का मंथन, पीएम मोदी भी रहे शामिल

नई दिल्ली। कोरोना काल में बिगड़ी सरकार की छवि? क्रको लेकर संघ के साथ बीजेपी का मंथन, पीएम मोदी भी रहे शामिल

कोरोना काल में उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हालातों को लेकर बीजेपी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व के बीच शीर्ष स्तर पर मंथन हुआ है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल रहे। बैठक में कोरोना महामारी के हालात के बीच सरकार और पार्टी की छवि को लेकर चर्चा हुई है। कोरोना की दूसरी लहर के बीच लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी को देखते हुए इस बैठक को अहम माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में बीजेपी और संघ ने अपने संगठन को मजबूत करने के साथ ही सरकार के स्तर पर भी छवि सुधारने के प्रयास शुरू करने पर चर्चा की है।

पार्टी और संघ के सूत्रों के मुताबिक यूपी की स्थिति पर हुई बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा होम मिनिस्टर

अमित शाह, बीजेपी चीफ जेपी नड्डा, आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मौजूद थे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश बीजेपी के संगठन मंत्री सुनील बंसल भी मीटिंग में शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में संगठन और सरकार को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। कोरोना महामारी से उत्तर प्रदेश सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक है, जहां गंगा में तैरती लाशों ने डरावना मंजर पेश किया है। हाल ही में बीजेपी ने आलोचना से सचेत होकर और महामारी की दूसरी लहर के बाद अपने कार्यकर्ताओं से सेवा करने के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया है।

> ● कोरोना काल में उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हालातों को लेकर बीजेपी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व के बीच शीर्ष स्तर पर मंथन हुआ है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल रहे। बैठक में कोरोना महामारी के हालात के बीच सरकार और पार्टी की छवि को लेकर चर्चा हुई है। कोरोना की दूसरी लहर के बीच लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी को देखते हुए इस बैठक को अहम माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं।

दो और नेताओं ने की TMC में घर वापसी की बात, कहा- दीदी को छोड़ गलती की

पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सभी राज्यों के पार्टी अध्यक्षों को पत्र लिखकर जनता की सेवा में जुटने का आह्वान किया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस मीटिंग में कोरोना की दूसरी लहर के बाद बिगड़ी सरकार की छवि को लेकर चिंता जाहिर की गई और उससे निपटने के प्रयासों पर बात हुई। ऑक्सीजन की कमी, गंगा में मिली लाशों, वैक्सीनेशन की धीमी गति जैसे कुछ मुद्दों को लेकर बीते दिनों बीजेपी की बचाव की मुद्रा में दिखी है। कानून व्यवस्था से लेकर अन्य तमाम मुद्दों पर सख्त प्रशासक की छवि रखने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार पर सवाल उठे हैं।

मिशन 2024 के लिहाज से भी बीजेपी के लिए अहम है उत्तर प्रदेश

बीजेपी और संघ के लिए यूपी की चिंता इसलिए भी अहम है क्योंकि विधानसभा चुनाव के लिहाज से तो यह सबसे बड़ा राज्य है ही, लोकसभा के लिए भी महत्वपूर्ण है। लोकसभा के सबसे ज्यादा 80 सांसद उत्तर प्रदेश से आते हैं। ऐसे में यदि 2022 में बीजेपी सत्ता में वापसी करती है तो फिर मिशन 2024 भी उसके लिए बहुत कठिन नहीं होगा। इसी मकसद से पार्टी ने यूपी को फोकस कर अपनी रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है।

कितने राज्यों में फैला ब्लैक फंगस, सबसे ज्यादा मामले कहां हुए दर्ज?

स्वास्थ्य मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सुबह तक 18 राज्यों में म्यूकर माइकोसिस (ब्लैक फंगस) के 5,424 मामले दर्ज किए गए हैं। गुजरात में 2,165, महाराष्ट्र में 1,188, उत्तर प्रदेश में 663, मध्य प्रदेश में 519, हरियाणा में 339, आंध्र प्रदेश में 248 मामले दर्ज किए गए हैं। ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (त्रश्वरू) की 27वीं बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने कहा कि देश में पिछले 24 घंटे में 4,454 दुर्भाग्यपूर्ण मौतें हुईं, सबसे ज़्यादा 1,320 मौतें महाराष्ट्र में हुईं। कर्नाटक में 624, तमिलनाडु में 422 और उत्तर प्रदेश में 231 मौतें हुईं। देश के 16 राज्यों में पॉजिटिविटी रेट बहुत ज़्यादा है, ये राज्य हैं- कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर, पुडुचेरी, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, सिक्किम और लक्षद्वीप।

ब्लैक फंगस के 5,424 मामले दर्ज

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा किआज सुबह तक 18 राज्यों में म्यूकर माइकोसिस (ब्लैक फंगस) के 5,424 मामले दर्ज किए गए हैं।

गुजरात में 2,165, महाराष्ट्र में 1,188, उत्तर प्रदेश में 663, मध्य प्रदेश में 519, हरियाणा में 339, आंध्र प्रदेश में 248 मामले दर्ज किए गए हैं। 5,424 मामलों में से 4,556 मामलों में पहले कोविड संक्रमण था और 55 प्रतिशत मरीज़ों को डायबिटीज था।

कमलनाथ के इंडियन कोरोना और आग लगाने वाले बयान पर भड़के शिवराज

सोनिया से की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के 'इंडियन कोरोना' और 'आग लगाने' संबंधी बयानों पर आज फिर उन हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करें। चौहान ने यहां मीडिया से कहा कि इस मामले में कमलनाथ को तो जवाब देना ही पड़ेगा, लेकिन सोनिया गांधी को भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे कमलनाथ के बयानों से सहमत हैं। यदि सहमत नहीं हैं, तो तत्काल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ कार्रवाई करें। और यदि सहमत हैं तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए, ताकि देश और प्रदेश की जनता इस हकीकत को पहचान सकें। चौहान नेश्कमलनाथ के आग लगाने संबंधी बयान के परिप्रेक्ष्य में कहा कि इस समय जब मिलकर साथ लड़ने का मौका है, कांग्रेस नेता मौत का उत्सव मना रहे हैं। उन्होंने कमलनाथ के संबंध में कहा कि वे

राज्य में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि यह महामारी से लड़ने का समय है। युद्ध का समय है। ऐसी स्थितियों में कांग्रेस नेता प्रयास कर रहे हैं कि राज्य में अराजकता का तांडव हो। चौहान ने कहा कि वे गांधी से पूछना चाहते हैं कि क्या वे कमलनाथ के आग लगाने वाले बयान से सहमत हैं। क्या उनकी सहमति से ही कमलनाथ ने यह बयान दिया है। क्या 'इंडियन कोरोना' वाले बयान से भी सोनिया गांधी सहमत हैं। 'आग लगाने' का विचार ककमलनाथ का विचार है या सोनिया की तरफ से निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कमलनाथ मन से कर रहे हैं तो वे 'धृतराष्ट्र' बनकर तमाशा क्यों देख रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में सोनिया गांधी को कार्रवाई करना चाहिए। और यदि वे सहमत हैं तो भी जनता को कांग्रेस की सोच से अवगत होने का अवसर मिलना चाहिए। चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जनता की सेवा में लगी रहेगी और आग नहीं लगने देगी। बता दें कि कमलनाथ ने उज्जैन और भोपाल में हाल ही में पत्रकार वार्ता के दौरान 'इंडियन कोरोना' शब्द का इस्तेमाल करते हुए आरोप लगाया था कि केंद्र और राज्य सरकार कोरोना से मृत्यु संबंधी आकड़े छिपा रही है। देश के मौजूदा हालातों से अंतरार्ष्ट्रीय स्तर पर भारतीयों की छवि प्रभावित हुयी है। इसके अलावा भाजपा ने कमलनाथ का एक वीडियो भी जारी किया हैञ्(

जीएनसीटीडी अधिनियम में संशोधन के खिलाफ याचिका पर कोर्ट ने केंद

दिल्ली सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ( ) कानून में संशोधन को असंवैधानिक करार देने के अनुरोध वाली एक याचिका पर सोमवार को केंद्र तथा दिल्ली सरकार से जवाब मांगा। नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) कानून में संशोधन को असंवैधानिक करार देने के अनुरोध वाली एक याचिका पर सोमवार को केंद्र तथा दिल्ली सरकार से जवाब मांगा। इस संशोधन के जरिए उप राज्यपाल की शक्तियां बढ़ गई हैं। यह याचिका नीरज शर्मा नाम के व्यक्ति ने दायर की है। याचिकाकर्ता स्वयं को आम

आदमी पार्टी (आप) का सदस्य बताता है। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल तथा न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कानून मंत्रालय तथा दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर इस याचिका पर अपना रूख बताने को कहा है।

याचिका में कहा गया है कि संशोधित जीएनसीटीडी कानून संविधान के विभिन्न मौलिक अधिकारों और अनुच्छेद 239एए का विरोधाभासी है। याचिका के अनुसार, यह कानून उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के भी खिलाफ है जिसमें कहा गया है कि उप राज्यपाल को सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि से संबंधित अधिकार होंगे तथा अन्य सभी चीजों के लिए वह मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार काम करने के लिए बाध्य होंगे।

एनडीआरएफ की 99 टीमें, स्टैंडबाय में हैं 26 हेलीकॉप्टर...चक्रवाती तूफान यास के टकराने से पहले ही पूरी है तैयारी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 25 और 26 मई को चक्रवाती तूफान यास दस्तक दे सकता है। इससे पहले ही नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (ह्वष्ठक्रस्न) ने कहा है कि वह ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में अपनी 99 टीमें तैनात करेगा। एनडीआरएफ के डायरेक्टर जनरल एसएन प्रधान ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। इनमें से सबसे ज्यादा टीमें ओडिशा में तैनात की जाएंगी। अभी तक एनडीआरएफ की 18 टीमें अकेले ओडिशा में तैनात की गई हैं। इनमें से सात टीमें बालासोर, 4 भद्रक, 3 केंद्रपाड़ा, 2 जजपुर और 1-1 टीम जगतसिंहपुर और मयूरभांज में तैनात हैं।

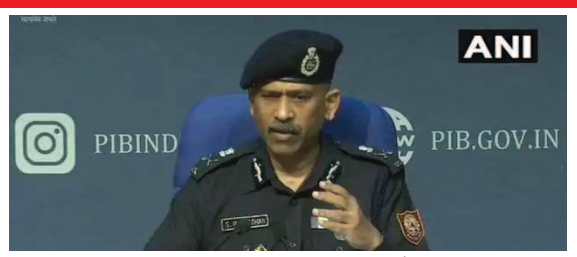

एनडीआरएफ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, फिलहाल चार टीमों को रिजर्व भी रखा गया है। ओडिशा सरकार के मुताबिक चक्रवाती तूफान का असर जिन इलाकों में सबसे ज्यादा होने की आशंका है वहां ओडिशा डिजास्टर रैपिड ऐक्शन फोर्स की 66 टीमें और 177 फायर सर्विसेज टीमें तैनात की गई हैं। सशस्त्र बलों ने भी चक्रवाती तूफान का असर कम-से-कम करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। अभी तक एनडीआरएफ के 950 जवानों को एयरलिफ्ट किया गया तो वहीं 26 हेलीकॉप्टर तत्काल तैनाती के लिए स्टैंडबाय में रखे हुए हैं। सेना की आठ बाढ़ राहत टीमें और तीन इंजीनियर टास्क फोर्स भी तैयार हैं। इन्हें जरूरत के हिसाब से किसी भी वक्त, कहीं भी तैनात किया जा सकता है। आईएमडी के मुताबिक इस चक्रवाती तूफान के 26 मई की शाम तक पश्चिम बंगाल और समीपवर्ती उत्तरी ओडिशा के तट तक पहुंचने की प्रबल संभावना है। इस दौरान 155 से 165 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ ही तटीय जिलों में भारी बारिश और तूफानी लहरें उठने की आशंका है। इस बीच तूफान यास के खतरे को देखते हुए पूर्वी रेलवे ने 24 से 29 मई के बीच 25 ट्रेनों रो रद्द कर दिया है।

पंजाब के बाद दिल्ली को भी वैक्सीन देने से मॉडर्ना ने किया इनकार, विदेश से टीके नहीं मंगाएगा बिहार

नई दिल्ली। विदेशी फार्मा कंपनी फाइजर और मॉडर्ना ने दिल्ली सरकार को भी वैक्सीन देने से इनकार कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुद इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दोनों कंपनियों ने हमें सीधे वैक्सीन बेचने से मना कर दिया है। आपको बता दें कि इससे पहले मॉडर्ना ने पंजाब सरकार को भी यही जवाब दिया था। कंपनी ने कहा था कि वह सीधे केंद्र सरकार को टीके देगी।

आपको बता दें कि अमेरिका की कोविड-19 टीका निर्माता कंपनी मॉडर्ना ने सीधे पंजाब सरकार को टीका भेजने से इंकार करते हुए कहा है कि उसका केवल केंद्र सरकार के साथ व्यवहार है। यह जानकारी रविवार को राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी थी।

टीके के लिए पंजाब के नोडल अधिकारी विकास गर्ग ने कहा था कि मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के निर्देश के मुताबिक सभी टीका निर्माताओं से सीधे तौर पर टीका खरीदने के लिए संपर्क किया गया जिनमें स्पूतनिक ङ्क, फाइजर, मॉडर्ना और जॉनसन एवं जॉनसन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मॉडर्ना की तरफ से जवाब आया है जिसमें कंपनी ने राज्य सरकार के साथ समझौता करने से इनकार कर दिया है।

पंजाब सरकार ने बयान जारी कर कहा कि मॉडर्ना की नीति के मुताबिक, वह भारत सरकार के साथ व्यवहार रखती है न कि राज्य

सरकार या किसी निजी पक्ष के साथ। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी संभावित स्रोतों से टीका खरीदने के लिए वैश्विक स्तर पर निविदा जारी करने की संभावना तलाशें ताकि राज्य के लोगों का जल्द से जल्द कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण किया जा सके।

बिहार ने विदेश से टीके खरीदने से किया इनकार-कई राज्यों ने टीकों के लिए वैश्विक निविदाएं मंगाई हैं क्योंकि 18 से 44 आयु वर्ग के लिए खुराक कम है, लेकिन बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके खिलाफ फैसला किया है। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने संकेत दिया कि राज्य के वैश्विक टीकों की खरीदारी के लिए जाने की संभावना नहीं है। एनडीटीवी के साथ बातचीत में मंगल पांडेय ने कहा, अन्य राज्यों ने वैश्विक निविदाएं कैसे जारी कीं और उसके परिणाम क्या आए। उसे देखने की आवश्यक्ता है। मंत्री ने कहा, हमें 1 करोड़ 1 लाख टीके मिले। रविवार तक 98 लाख लोगों को टीका लगाया जा चुका है।

भारत में 19 करोड़ से अधिक लोगों को लग चुके हैं टीके-भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान नौ लाख 42 हजार 722 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 19 करोड़ 60 लाख 51 हजार 962 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। आपको बता दें कि कई राज्यों में वैक्सीन की कमी के कारण से 18-44 आयु वर्ग के लोगों के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान को राकना पड़ा है। हालांकि उत्तर प्रदेश में एक जून से सभी जिलों में बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाने की तैयारी है।

CMYK

-पार्टी पूरी दमखम के साथ विधानसभा चुनाव में उतरना चाहती है जिसके लिए रणनीति पर काम जारी

यूपी चुनाव भाजपा के लिए बड़ी चुनौती, संघ के साथ हुई बैठक, मोदी-शाह भी रहे मौजूद

नई दिल्ली।

अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जमीनी हालात को जानने के लिए भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेताओं के बीच मंथन जारी है। सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश चुनाव के मद्देनजर की गई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन मंत्री सुनील बंसल और आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले शामिल थे। इन नेताओं के बीच गंभीर मंत्रणा हुई और साथ ही साथ सरकार की छवि को हुए नुकसान पर चिंता जताई गई। सूत्रों का दावा है कि भाजपा संगठन मंत्री सुनील बंसल पिछले 2 दिनों से दिल्ली में ही डटे हुए हैं। यह भी कहा जा रहा है कि नेताओं की बैठक उत्तर प्रदेश चुनाव के मद्देनजर काफी अहम रही। पार्टी ने ऐसे कई महत्वपूर्ण निर्णय जरूर लिए होंगे जिससे उसकी जमीनी पकड़ राज्य में मजबूत हो सके। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने में असफल रही भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह से रणनीति पर काम कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में पार्टी और संगठन ऐसी ही रणनीति पर जोर देते नजर आए जिससे कि पार्टी की छवि को पहुंचे नुकसान की भरपाई की जा सके। इस बैठक में उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव में भाजपा को मिली हार पर भी मंथन हुई। इससे पहले पंचायत चुनाव को लेकर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, महामंत्री संगठन सुनील बंसल और क्षेत्रीय अध्यक्ष और पंचायत चुनाव से जुड़े पदाधिकारी के बीच एक बैठक हो चुकी है। हालांकि, अब इन प्रदर्शनों को भुलाकर पार्टी पूरी दमखम के साथ विधानसभा चुनाव में उतरना चाहती है जिसके लिए अब नए तरह की रणनीति पर काम हो रही है।

कोरोना योद्धाओं का 'निरादर' : रामदेव ने बयान वापस लिया, डॉ. हर्षवर्धन के पत्र के बाद जताया खेद

नई दिल्ली।
देश के कोरोना योद्धाओं का कथित तौर पर निरादर करने वाला बयान देने के बाद बाबा रामदेव ने रविवार को खेद जताया। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन के पत्र के बाद अपना यह बयान वापस ले लिया। बाबा रामदेव ने रविवार रात कहा कि हम आधुनिक चिकित्सा विज्ञान तथा एलोपैथी के विरोधी नहीं हैं। हम यह मानते हैं कि जीवन रक्षा प्रणाली तथा शल्य चिकित्सा के विज्ञान में एलोपैथी ने बहुत प्रगति की है और मानवता की सेवा की है। मेरा जो वक्तव्य कोट किया है वह एक कार्यकर्ता बैठक का वक्तव्य है। जिसमें मैंने आए हुए वॉटसएप मैसेज को पढ़कर सुनाया था, उससे अगर किसी की भावनाएं आहत हुईं, तो मुझे खेद है। बाबा रामदेव ने डॉ.हर्षवर्धन को लिखे जवाबी पत्र में कहा किकिसी भी चिकित्सा पद्धति में होने वाली त्रुटियों का रेखांकन उस पद्धति पर आक्रमण के तौर पर नहीं लिया जाना चाहिए, यह विज्ञान का विरोध तो कतई नहीं है। सभी को आत्म मूल्यांकन करते हुए निरंतर प्रगतिशील रहना चाहिए। इसी प्रकार से कुछ एलोपैथिक डॉक्टरों द्वारा भारतीय चिकित्सा विज्ञान, आयुर्वेद एवं योग को सूडो साइंस (छद्म विज्ञान) आदि कहकर उसका भी निरादर नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे भी करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। बाबा ने कहा कि यदि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने चेचक, पोलियो एवं टीबी आदि गंभीर रोगों का उपचार खोजा है तो योग, आयुर्वेद एवं नेचुरोपैथी आदि भारतीय चिकित्सा पद्धतियों द्वारा हमने बीपी, शुगर, थॉयराइड, अर्थराइटिस, फैटी लिवर, हेपेटाइटिस, अस्थमा जैसे जटिल एवं वंशानुगत रोगों का नियंत्रण एवं स्थाई समाधान दिया है।

- डॉक्टरों के साथ हमने भी करोड़ों लोगों की जान बचाई

कोरोना काल में एलोपैथी के डॉक्टरों ने अपनीजान जोखिम में डालकर करोड़ों लोगों की जान बचाई है, हम उसका सम्मान करते हैं। हमनें भी आयुर्वेद एवं योग से करोड़ों लोगों की जान बचाई है। इसका भी सम्मान होना चाहिए। आगे भी कोरोना व कोरोना की जटिलताओं से लड़ने के लिए तथा पूरी मानवता को रोग मुक्त करने के लिए सब पद्धतियों के समुचित समन्वय से मानवता की सेवा करने के लिए हम पक्षधर हैं और सदा रहेंगे।

कोरोना मरीजों के लिए टीके बचाने को सरकार ने बढ़ाया खुराक का समय

नई दिल्ली । कोरोना वायरस से राज हजारों जानें जा रही हैं, कोविड-19 को प्रसार को अगर कोई रोक सकता है तो वह वैक्सीन है। सिर्फ वैक्सीन के जरिए ही कोरोना पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन देश टीके की कमी से जूझ रहा है। कई राज्यों के मुख्यंत्रियों ने अपने यहां टीकाकरण अभियान रोक दिया है। अब एक सरकारी पैनल के अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना की खुराकों में समय बढ़ाकर कोविड-19 के टीकों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा सबसे कमजोर लोगों को कवर करना चाहिए था, सभी वयस्कों के लिए खोला जाना चाहिए था। कोरोना वायरस संक्रमण में दुनिया की सबसे खराब वृद्धि से निपटने के लिए, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 1 मई से सभी वयस्कों को टीकाकरण के लिए योग्य बना दिया। वैक्सीन की कमी ने अब राजधानी नई दिल्ली सहित कई क्षेत्रों में 45 वर्ष से अधिक आयु वालों को प्रभावित किया है। टीकाकरण पर सरकार के राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के प्रमुख नरेंद्र कुमार अरोड़ा का कहना है कि यह वैक्सीन की खुराक बचाने के लिए किया है। हमने 3 महीने, 6 महीने या 9 महीने की देरी से टीके लगाने पर चर्चा की, लेकिन अंत में हमने कहा हम इसे 3 महीने के साथ आगे बढ़ाते हैं। भारत में टीके की कमी को देखते हुए, सबसे अधिक जोखिम वाले टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए था। हमारे समूह ने 45 या अधिक आयु वर्ग के लोगों को प्राथमिकता दी।

ब्लैक फंगस: कितने राज्यों में फैला म्यूकर माइकोसिस, स्वास्थ्य मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर के प्रकोप के बीच देश भर में अब म्यूकर माइकोसिस यानी ब्लैक फंगस भी अपना कहर ढा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने सोमवार को मंत्री समूह की 27वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने बताया कि अब तक 18 राज्यों में 5,424 मामले मिल चुके हैं।×ठ्ठद्ध्रह्यश्च;स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि देशभर के 18 राज्यों में सोमवार सुबह तक ब्लैक फंगस के 5,424 मामले दर्ज किए गए। इनमें से गुजरात में 2,165, महाराष्ट्र में 1,188, उत्तर प्रदेश में 663, मध्य प्रदेश में 519, हरियाणा में 339, आंध्र प्रदेश में 248 मामले दर्ज किए गए हैं।×ठ्ठद्ध्रह्यश्च;मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने कहा कि इन 5,424 मामलों में से 4,556 मामलों में पहले कोविड संक्रमण था और 55 फीसदी मरीजों को डायबिटीज था।

श्रमिकों का डेटाबेस बनाएं, किसी भी मजदूर को राशन से वंचित न रखेः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रवासी मजदूरों के जीवन यापन की समस्या को गंभीरता से लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों से उनके द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह चाहता है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं बल्कि सभी राज्यों को मजदूरों के लिए मुफ्त ड्राई राशन, कम्युनिटी किचन आदि की व्यवस्था की गई या नहीं। साथ ही इन राज्यों और केंद्र सरकार से कहा है कि जो भी प्रवासी मजदूर अपने गांव लौटना चाहते हैं उनके लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था की गई नहीं। शाम तक सुप्रीम कोर्ट इस पर आदेश पारित करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने आपदा प्रबंधन कानून के तहत राहत कार्यों में शामिल लोगों सहित कोरोना वायरस से मरने वालों के परिवारों को 4 लाख रुपए के अनुग्रह राशि के भुगतान पर भी केंद्र से जवाब मांगा है।

कोर्ट ने पूछा कि कोरोना से मरने वाले लोगों को केंद्र ने सहायता राशि पहुंचाई या नहीं इस पर विस्तार से जानकारी दें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर दिशानिर्देश बताने के लिए कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मृत्यु प्रमाणपत्र जारी का एकसमान दिशानिर्देश होना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले दिनों शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, यूपी और हरियाणा सरकार से कहा है कि वह उन प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजने के लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था करें जो अपने घर जाना चाहते हैं। प्रशासन और पुलिस आपस में इसके लिए सहयोग करें। बता दें कि पिछले महीने अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट में प्रवासी मजदूरों की समस्या को लेकर याचिका दायर की गई थी। याचिका में बताया गया था कि कोरोना की दूसरी लहर में दिल्ली और एनसीआर में रहने वाले प्रवासी मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया।

दिल्ली के अस्पतालों में ब्लैक फंगस संक्रमण से लड़ने के लिए दवाओं की कमी : केजरीवाल

नई दिल्ली।

कोविड महामारी की दूसरी लहर के बीच, दिल्ली न केवल वैक्सीन की कमी से जूझ रही है, बल्कि ब्लैक फंगस संक्रमण से ग्रस्त रोगियों के इलाज के लिए आवश्यक दवाओं की कमी से भी जूझ रही है। यह बात सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कही। पिछले कुछ दिनों में बड़ी संख्या में ब्लैक फंगस के मामलों का निदान किया गया है और अभी तक राष्ट्रीय राजधानी के एक दर्जन से अधिक अस्पतालों में 500 से अधिक रोगियों का इलाज किया जा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि कोविड देखभाल के लिए समर्पित कई सरकारी अस्पताल मरीजों के लिए दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। इनमें गुरु तेग बहादुर, लोक नायक जय प्रकाश और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल शामिल हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार को रविवार को ब्लैक फंगस के लिए दवाएं नहीं मिलीं, जबकि मामलों की संख्या 500 को पार कर गई।मुख्यमंत्री ने सवाल पूछते हुए कहा, हमें कल दवा नहीं मिली। ऐसे में हम बिना दवा के मरीजों का इलाज कैसे कर सकते हैं? इंजेक्शन दिन में चार से पांच बार दिया जाता है। अगर हमें इंजेक्शन ही नहीं दिया जाएगा तो हम मरीजों का इलाज कैसे कर सकते हैं? केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली को ब्लैक फंगस से संक्रमित मरीजों के लिए प्रतिदिन लगभग 2,000 इंजेक्शन की आवश्यकता है, लेकिन राजधानी में केवल 400 से 500 इंजेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, दवा की अत्यधिक कमी है और इसका उत्पादन बढ़ाया जाना चाहिए। चूंकि 4-5 इंजेक्शन प्रतिदिन देने की आवश्यकता होती है और लगभग 500 रोगी होते हैं तो हमें प्रतिदिन 2,000 इंजेक्शन की आवश्यकता है, लेकिन हमें केवल 400 से 500 इंजेक्शन ही मिल रहे हैं।

टीएमसी नेताओं को हाउस अरेस्ट करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची सीबीआई, सुनवाई टालने की मांग

नई दिल्ली ।

सीबीआई ने कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा 21 मई को नारदा घोटाला मामले के आरोपी टीएमसी के 4 नेताओं को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की बजाए हाउस अरेस्ट करने और मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सीबीआई ने कोलकाता हाईकोर्ट में 5 सदस्यीय पीठ के समक्ष इन आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सोमवार को होने वाली सुनवाई को स्थगित करने वाले आवेदन में कहा कि उसने 21 मई के हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस आधार पर सीबीआई ने हाईकोर्ट में आज होने वाली सुनवाई को हटाने की मांग की है। 21 मई को हाईकोर्ट की खंडपीठ के जजों में आरोपियों को अंतरिम जमानत देने के मामले में अलग-अलग राय थी। जहां एक जज का कहना था कि आरोपियों को अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए, वही दूसरे जज की राय बिल्कुल उलट थी। यही वजह थी कि खंडपीठ ने सभी आरोपियों को हाउस अरेस्ट में भेजने का निर्णय लिया था। साथ ही खंडपीठ ने इस मामले को बड़ी पीठ के पास भेज दिया था। सीबीआई ने हाईकोर्ट के इस फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी और कहा था कि वह इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करेंगे लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी मांग को ठुकरा दिया था। मालूम हो कि17 मई को सीबीआई ने टीएमसी नेता फरियाद हाकीम, सुब्रतो मुखर्जी, मदन मित्रा और शोभन चटर्जी को नारदा घोटाला मामले में गिरफ्तार किया था। गौरतलब है कि सीबीआई ने जब टीएमसी नेताओं के खिलाफ दबिश दी और जांच शुरू की थी तो अहम सबूत मिलने का दावा किया। सीबीआई ने टीएमसी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद सीबीआई दफ्तर के बाहर हंगामा और पथराव किया गया। टीएमसी कार्यकर्ताओं पर पथराव करने का आरोप लगा। गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सीबीआई को चुनौती दी थी कि हिम्मत हो तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाए।

अब तक सरकार के तीन मंत्री और पांच विधायकों समेत 18,978 संक्रमित गंवा चुके हैं जान

कोरोना ने भाजपा के लिए खड़ी की नई चुनौतियां, सीएम योगी ने संभाला मोर्चा

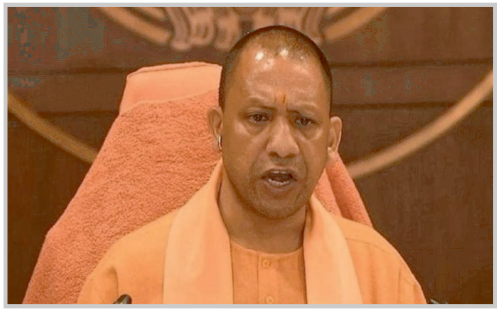

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमितों को उपचार हो रही समस्याओं से आम जनता के साथ भाजपा नेताओं में भी खासा रोष है। उन्होंने कहा है कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में लोगों की नाराजगी सत्तारूढ़ दल के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। प्रदेश के हरदोई जिले से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश कहते हैं आम लोगों की बात तो दूर, अति महत्वपूर्ण समझे जाने वाले लोगों के लिए भी व्यवस्था नहीं हो पाई। श्याम प्रकाश अकेले जनप्रतिनिधि नहीं हैं जिन्होंने संक्रमण प्रबंधन को लेकर सरकार के प्रयासों पर इस तरह की टिप्पणी की है। प्रदेश के कानून मंत्री ब्रजेश पाठक भी ऐसा ही कह चुके हैं। केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने भी मुख्यमंत्री और सरकार के प्रमुख लोगों को पत्र लिखकर अ‌े यवस्‍ था की ओर इशारा किया था। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चा संभाला है और वह राज्य के जिलों का दौरा करके गांवों तक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं. बलिया के विधायक सुरेंद्र सिंह भी कोरोना प्रबंधन को लेकर सरकार के खिलाफ असंतोष जता चुके हैं। फिरोजाबाद जिले के जसराना से भाजपा विधायक राम गोपाल लोधी की पत्नी को उपचार के लिए आठ घंटे इंतजार करना पड़ा। वह आगरा में बेड के लिए भटकीं तो विधायक ने सरकारी तंत्र के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। प्रदेश भाजपा में शीर्ष स्तर पर ऐसा मानने वालों की कमी नहीं है कि कोरोना की दूसरी लहर ने राजनीतिक तौर पर पार्टी का काफी नुकसान किया है। एक प्रदेश पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता ने कहा, कुछ विधायकों व कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक तौर पर असंतोष व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओं के बीच व्यापक स्तर पर नाराजगी है। कोरोना संक्रमण से 30 अप्रैल को उबरने के बाद योगी ने जिलों का दौरा शुरू कर जमीनी सच्चाई परखी। अब तक वह करीब 50 जिलों में कोविड प्रबंधन की समीक्षा कर चुके हैं और आगे भी उनके कार्यक्रम विभिन्न जिलों में हैं। राज्‍ य में आधिकारिक रूप से अब तक सरकार के तीन मंत्री और पांच विधायकों समेत 18,978 संक्रमित अपनी जान गंवा चुके हैं और अब तक साढ़े 16 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। राज्य में अगले वर्ष की शुरुआत (फरवरी-मार्च)में विधानसभा चुनाव होंगे। इसे देखते हुए विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने संक्रमण के प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार के खिलाफमोर्चा खोल दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अगले महीने से बच्चों के लिए कोवैक्सीन का ट्रायल शुरू

नई दिल्ली। देश में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक जून से बच्चों पर क्लीनिक ट्रायल शुरू करने जा रही है। कंपनी को साल की तीसरी तिमाही तक बच्चों के लिए वैक्सीन लाइसेंस मिलने की उम्मीद है। कंपनी के बिजनेस डेवलपमेंट और इंटरनेशनल एडवोकेसी हेड डॉ. राचेस ऐल्ला ने कहा कि कंपनी अपनी कोवैक्सीन का पीडिएट्रिक ट्रायल्स जून से शुरू कर सकती है। हाल ही में भारत बायोटेक को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया की तरफ से 2-18 साल उम्र के बच्चों के क्लिनिकल ट्रायल्स की मंजूरी मिली थी। हैदराबाद में फिक्की की महिला विंग के एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए. डॉ राचेस एला ने कहा कि कंपनी को तीसरी या चौथी तिमाही के अंत तक कोवैक्सिन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से मंजूरी मिल जाएगी। कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब पर डॉ राचेस एला ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि कंपनी की मेहनत रंग ला रही है और वैक्सीन अच्छी तरह से काम कर रही है और लोगों की जान बचा रही है। कंपनी का कहना है कि इस साल के अंत तक अपनी उत्पादन 70 करोड़ तक बढ़ा लेगी। डॉ. राचेस एला ने कहा कि बायोटेक और आईसीएमआर के सहयोग से टीका तैयार किया जा रहा है। अब तक सरकार की ओर से पूरा सहयोग और समर्थन मिल रहा है। किया गया है। सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये वैक्सीन का एडवांस ऑर्डर दिया है। इसके बाद कंपनी ने बंगलुरू और गुजरात में भी अपना विस्तार कर रही है। कंपनी इस साल के अंत तक अपनी वैक्सीन निर्माण क्षमता को बढ़ाकर 70 करोड़ डोज कर लेगी।

5-जी सेवाओं के लिए 2 साल में होंगी बंपर भर्तियां

नई दिल्ली। साल के आखिर में शुरू होने वाली 5जी सेवाओं से न सिर्फ इंटरनेट स्पीड में इजाफा होगा, बल्कि अगले दो साल तक दूरसंचार क्षेत्र में बंपर नौकरियां भी मिलेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें से अधिकतर जॉब अनुबंध पर रहेंगे लेकिन महामारी की मार से जूझ रहे रोजगार के मोर्चे पर बड़ी राहत मिलेगी। टीमलीज सर्विसेज में टेलीकॉम, आईटी सेवाओं के बिजनेस हेड देवल सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बावजूद दूरसंचार सेवाओं का विस्तार जारी है। 5-जी सुविधा आने के बाद अर्थव्यवस्था के साथ श्रम बाजार को भी सहारा मिलेगा। 5जी सेवा लांच होने के बाद अगले दो साल तक तेज विस्तार की संभावना है। इस दौरान तकनीकी पेशेवर, इंस्टालेशन इंजीनियर, सिविल इंजीनियर और प्रोजेक्ट मैनेजर की मांग सबसे ज्यादा रहेगी। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एरिक्शन ने बताया कि भारतीय ग्राहक 5जी सुविधा के लिए मौजूदा दूरसंचार खर्च में 10 फीसदी इजाफा करने को तैयार हैं। अगर उन्हें डिजिटल सेवाओं के साथ इसकी सुविधा मिलती है, तो 50 फीसदी तक खर्च बढ़ा सकते हैं। पहले साल करीब 4 करोड़ ग्राहकों के 5जी से जुड़ने का अनुमान है।

यूपी सहकारी चीनी कारखाना संघ के पूर्व एमडी पर सीबीआई का शिकंजा

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी कारखाना संघ के पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। सीबीआई ने पूर्व एमडी बीके यादव के खिलाफ प्राथमिक जांच दर्ज की है। सीबीआई को इस मामले प्रथम दृष्टया पर्याप्त सुबूत मिले हैं। यादव पर आरोप है कि उन्होंने सपा सरकार के दौरान 2013-17 में कर्मचारियों के ट्रांसफर, पोस्टिंग और प्रमोशन में जमकर भ्रष्टाचार किया था। यूपी सरकार ने 10 नवंबर, 2017 को यादव के खिलाफ आरोपों को देखते हुए सीबीआई जांच की सिफारिश की थी, जिसे इस साल 1 अप्रैल को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी थी। गौरतलब है कि यूपी में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं, जहां सत्तारूढ़ भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस के बीच चुनावी मुकाबला होना है। राज्य सरकार ने इस मामले में लखनऊ के आयुक्त की देखरेख में एक जांच समिति गठित की थी। बीके यादव पर आरोप था कि उन्होंने चीनी मिलों में काम करने वाले कर्मचारियों की नियुक्तियां, प्रमोशन और ट्रांसफर में खूब पैसे खाए। यहां तक कि सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों से उनकी ग्रेच्युटी का पैसा दिलाने की एवज में भी उन्होंने जमकर पैसे लिए। जांच में ये आरोप सही पाए गए।

केजरीवाल सरकार की सांठगांठ से निजी अस्पतालों ने मरीजों को लूटा : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार पर निजी अस्पतालों से सांठगांठ कर मरीजों का आर्थिक शोषण करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने मरीजों के पैसे वापस देने की मांग की है। भाजपा ने सोमवार को एक ईमेल आईडी भी जारी किया, जिस पर मरीजों से बिल मांगे गए हैं। यह बिल भाजपा केजरीवाल सरकार को भेजकर पैसा वापस करने की मांग करेगी।भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता ने कहा, केजरीवाल सरकार की सांठगांठ की वजह से अस्पतालों ने कोरोना मरीजों से अनाप-शनाप पैसे वसूले। मरीजों के पैसे वापस दे केजरीवाल सरकार। जिन परिवारों में कोरोना की वजह से मृत्यु हुई उनके पूरे बिल का पैसा वापस करें, केजरीवाल जी कब तक पैसे वापस होंगे, जवाब दें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने अपने ठीक नाक के नीचे कोरोना मरीजों से एम्बुलेंस वालों की मनमानी लूट कैसे होने दी, दिल्ली सरकार जवाब दे। कई लोगों से मनमाने पैसे वसूल करने और कोरोना के नाम पर लोगों को लूटे जाने की बात सामने आने के बाद भी किसी भी अधिकारी पर कार्रवाई न करना इस बात का गवाह है कि केजरीवाल की इन लुटेरे अस्पतालों के मालिकों से सांठ-गांठ थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने 20 जून 2020 के प्राइस कैपिंग के सरकारी आर्डर को लागू क्यों नहीं किया, दिल्ली सरकार जवाब दे। दिल्ली की जनता के लिए ईमेल आईडी जारी करते हुए उन्होंने कहा कि इस पर अपने अस्पताल के बिल स्कैन कर के भेज दे। दिल्ली भाजपा इन सभी बिल को केजरीवाल सरकार को भेजेगी और उनसे इनके पैसे वापिस देने के लिए कहेगी।

वैक्सीन समानता सभी देशों के हित में है

बीजिंग (एजेंसी)।

बहुत-से विकसित देशों की सरकारों ने जरूरत से ज्यादा वैक्सीन जमा करके रख ली है। यह और कुछ नहीं बल्कि वैक्सीन राष्ट्रवाद है। जब संकट का समय हो और दुनिया के बाकी लोगों की कीमत पर सरकारें सिर्फ अपने देश के लोगों को प्राथमिकता दें तो इसे गलत ही कहा जाएगा। यह खतरे की भयावहता और इसे दूर करने में वैक्सीन के महत्व की वजह से खासतौर पर बहस का मुद्दा बन गया है। वैक्सीन की जरूरत तो दुनिया के बहुत सारे देशों को है। ऐसे माहौल में इन देशों की सरकारों को इस बात को नैतिक जिम्मेदारी समझनी होगी। यह दुखद है कि अंतर्राष्ट्रीय तौर पर इसे लेकर कोई करार नहीं हुआ है। लेकिन यह देखते हुए कि कोरोना दुनिया के किसी भी देश में फैल रहा है, व्यावहारिक रूप से इसको फैलने से रोकने के लिए वैक्सीन समानता बहुत जरूरी है। वैक्सीन की समानता के सिद्धांत का मतलब है कि दुनियाभर के लोगों के लिए बराबर वैक्सीन मुहैया हो सकें। फिलहाल यह नहीं हो रहा है। अमेरिका की 35 प्रतिशत आबादी को पूरी तरह वैक्सीन लग चुकी है। वैश्विक पटल पर देखें तो यह आंकड़ा महज 2.3 फीसदी है और अफ्रीका में 1 फीसदी से भी कम है, जो कि बहुत बड़ी गैर-बराबरी है। फिलहाल, इस वक्त सबसे जरूरी है कि वैक्सीन बनाने की क्षमता बढ़ाई जाए और विकासशील देशों तक वैक्सीन पहुंचाई जाए। यह समान वितरण होना बहुत जरूरी है। यह पेटेंट और वैक्सीन तकनीक धाराओं धारकों द्वारा दूसरे निमार्ताओं को वैक्सीन बनाने की छूट देने के बाद होगा। यह भी जरूरी है कि निर्माण और वितरण की तकनीक के ट्रांसफर में भी मदद की जाए। जीवन बचाने वाले बदलाव बहुत तेजी से किये जाने चाहिए। इसमें क्षमता बढ़ाना, सहायक तकनीक को मजबूत करना, विकासशील देशों में वैक्सीन बनाने में तेजी लाने के लिए उन्हें काम सिखाना आदि शामिल हैं। इस काम में अमेरिका, भारत, चीन जैसे प्रमुख देशों की सरकारों को मध्स्थ की भूमिका निभानी होगी। वे एक उचित कीमत पर वैक्सीन गरीब देशों और स्वयंसेवी संस्थाओं को मुहैया करवाए। इसे वैक्सीन उत्पादन त्रिकोण कह सकते हैं और इसे यूगांडा में कुछ साल पहले सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इस त्रिकोण में तीन पक्ष हैं- पहला, जिनके पास वैक्सीन की तकनीक और पेटेंट है। दूसरा, भारत, चीन जैसे देश जिनके पास वैक्सीन बनाने की क्षमता है। और तीसरा, वे विकासशील देश जिन्हें वैक्सीन खरीदनी है। जब ये तीनों चीजें साथ होंगी, तभी दवाएं बनाने में तेजी आएगी और इनका वितरण भी तेजी से हो सकता है, वरना यह संभव नहीं हो पाएगा। यह सबसे मजबूत तर्क है और इसमें भी बड़ी बात यह है कि कोरोना वायरस लगातार विकसित हो रहा है, खुद को बदल रहा है। अगर विकासशील देशों को वैक्सीन आसानी से नहीं मिलेगी तो यह ज्यादा लोगों तक फैलेगा। जैसे-जैसे यह कोरोना वायरस ज्यादा विकसित होगा इसके नये-नये स्ट्रेन आएंगे। और यह तो सबको पता है कि वायरस में जितने बदलाव होंगे वह उतना ही ज्यादा वैक्सीन के लिए प्रतिरोधी साबित होंगे। जब उस पर वैक्सीन का असर नहीं होगा तो कैसे अंकुश लगा पाएंगे।

भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस के साथ झड़प में 8 भारतीय कारोबारी घायल

काठमांडू (एजेंसी):

नेपाल-भारत सीमा पर महोत्तारी जिले में नेपाल पुलिस के साथ झड़प में आठ भारतीय कारोबारी घायल हो गए हैं। सोमवार को मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। सरकारी समाचार पत्र 'राइजिंग नेपाल' की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना रविवार रात को उस समय हुई, जब भारतीय कारोबारियों ने मतिहानी नगर निगम में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच के एक बनाई गई एक अस्थाई चौकी और हेल्प डेस्क को ध्वस्त कर दिया। वेबसाइट माई रिपब्लिक के अनुसार सशस्त्र पुलिस बल का एक जवान और आठ भारतीय कारोबारी झड़प में घायल हो गए। मतिहानी सीमा चौकी के पुलिस निरीक्षक बलराम गौतम ने बताया कि रविवार रात आठ बजे 50-60 भारतीय नागरिकों ने सीमा पर तैनात जवानों पर पथराव किया। उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिकों ने शराब पी हुई थी। महोत्तारी जिले में मतिहानी नगरनिगम की करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी सीमा बिहार में मधवापुर बाजार से लगती है। खबर के मुताबिक इस हमले में ड्यूटी पर तैनात जवान विवेक धाकल के सिर पर गंभीर चोर आई है। वहीं एक भारतीय कारोबारी ने कहा कि निरीक्षक गौतम ने जवानों को आलू, प्याज और चावल आयात कर रहे व्यापारियों को पीटने के लिए कहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस ने भारतीय कारोबारियों के खिलाफ बेवजह बल का इस्तेमाल किया।

कोरोना को लेकर भूटान के प्रधानमंत्री का चिंताजनक बयान- 'वायरस न रोका तो हम हो जाएंगे खत्म'

थिंपू (एजेंसी):

कोरोना वायरस महामारी को लेकर भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग का चिंताजनक बयान सामने आया है। प्रधानमंत्री लोटे ने देश में कोविड के खतरे को देखते हुए कहा कि यदि अभी वायरस पर काबू नहीं किया गया तो हम खत्म हो जाएंगे। शुक्रवार को देश को संबोधन दौरान प्रधानमंत्री शेरिंग ने जनता को डेढ़ साल बाद भी बरकरार महामारी के खतरे की याद दिलाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि भूटान क्षेत्र में कोरोना से बदतर हालात को महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी तैयारियों के बावजूद इस बात की गारंटी नहीं कि जो भारत झेल रहा है वही भूटान नहीं झेलेगा। उन्होंने कहा, दक्षिणी सीमा का खतरा अब पूर्व तक पहुंच गया है। यदि हम सावधान नहीं रहे तो पड़ोसी देश की तरह ही परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि **SARS-CoV-2** वायरस तेजी से म्यूटेशन कर रहा है और यह अधिक संक्रामक होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश धीरे-धीरे सभी ओर से खतरे से घिरता जा रहा है और यदि पर्याप्त उपाय नहीं किए गए और लोगों ने रोकथाम के उपाय नहीं किए तो वायरस को देश में घुसने में देर नहीं लगेगी।

प्रधानमंत्री इमरान भी अन्य नेताओं की तरह पाकिस्तान से भाग जाएंगः बिलावल

इस्लामाबाद (एजेंसी) ।

पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान लगातार विपक्ष के निशाने पर हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि एक दिन प्रधानमंत्री इमरान खान भी पाकिस्तान से उसी तरह से भाग जाएंगे जैसे कि अन्य नेता भाग गए। जाहिर है जरदारी का इशारा पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ, पूर्व प्रधानमंत्री शौकत अजीज और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की ओर था। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान खान और उनके मंत्री देश के खजाने से धन निकालकर अपनी महंगी जरूरतों पर खर्च कर रहे हैं। बिलावल ने कहा` कि इमरान देश को बर्बादी की ओर ले जा रहे हैं। देश में गरीबी दर 50 प्रतिशत हो गई है। गरीबी का स्तर नीचे जाना परवेज मुशर्रफ के समय शुरू हुआ था, उसके बाद से वह बढ़ता चला गया। विदेशी कर्ज भी बढ़ता चला गया। देश चलाने के लिए जिन शर्तो पर कर्ज लिया गया, उनके चलते देश की हालत बिगड़ती चली गई और अब उन कर्जो का ब्याज चुकाने के लिए भी नए कर्ज लेने पड़ रहे हैं।

तिब्बत में विकास और परिवर्तन अद्भुत है : फ्रांसीसी लेखिका

बीजिंग (एजेंसी)।

एक दशक से अधिक समय पहले जब मैंने पहली बार तिब्बत की यात्रा की, तो वहां पाया कि तिब्बत में विकास और परिवर्तन अद्भुत है। स्थानीय लोगों का जीवन स्तर उल्लेखनीय रूप से उन्नत हुआ है, और चीन सरकार ने तिब्बती पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण के लिए बड़ी कोशिश की है। फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखिका सोनिया ब्रेस्लर ने हाल ही में तिब्बत पर टिप्पणी करते हुए चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही।

ब्रेस्लर ने क्रमश~ साल 2007, 2012, 2016 और 2019 चार बार तिब्बत की यात्रा की। उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक तिब्बत की अपनी यात्रा के दौरान जिन लोगों और चीजों का सामना किया, उन्हें रिकॉर्ड किया और तिब्बत की खोज जैसी कई किताबें प्रकाशित कीं, जो आज तिब्बत को समझने के लिए फ्रांसीसी पाठकों के लिए एक महत्वपूर्ण खिड़की बन गई है। तिब्बत के विकास और परिवर्तनों ने ब्रेस्लर पर गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी मीडिया हमेशा तिब्बती सांस्कृतिक विरासत के विनाश पर आरोप लगाती रहती है, लेकिन जब वह ल्हासा में पहली बार तिब्बत गई, उन्होंने मठों और मंदिरों के दर्शन के लिए दूर से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आते देखा। यह बहुत चौंकाने वाला था, जो पश्चिमी मीडिया की रिपोर्टें में स्थिति के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने तिब्बत में स्कूलों, अस्पतालों और बुनियादी संस्थापनों का तेजी से विकास देखा है। सांस्कृतिक अवशेषों को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया है। ब्रेस्लर ने कहा कि चीन सरकार तिब्बत के सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ तिब्बती पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण के लिए सिलसिलेवार कदम उठाए। मसलन् तिब्बती सांस्कृतिक विरासतों की मरम्मत और संरक्षण। उन्होंने कहा कि चीन सरकार के समर्थन के बगैर, तिब्बती संस्कृति का आज जैसा विकास नहीं हो पाता। हरेक बार की यात्रा से ब्रेस्लर ने चीन सरकार के प्रयासों से तिब्बत के स्थानीय लोगों के जीवन स्तर की उन्नति में प्राप्त फलों को महसूस किया। उन्होंने कहा कि इन प्रगतियों को पश्चिमी

शी चिनफिंग ने एक साथ मानव चिकित्सा व स्वास्थ्य समुदाय निर्मित करने की अपील की

बीजिंग (एजेंसी)।

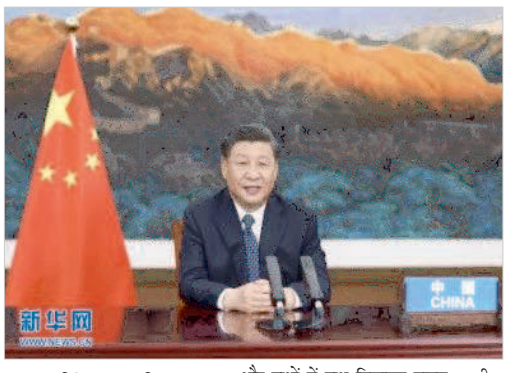

21 मई की रात चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पेइचिंग में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये वैश्विक स्वास्थ्य शिखर बैठक में भाग लिया और हाथों में हाथ मिलाकर मानव चिकित्सा व स्वास्थ्यसमुदाय निर्मित करें नाम महत्वपूर्ण भाषण दिया।

उन्होंने कहा कि यथाशीघ्र ही महामारी को पराजित करना और आर्थिक बहाली करना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का प्राथमिक कार्य है। जी-20 ग्रुप के सदस्यों को वैश्विक महामारी के मुकाबले में जिम्मेदारी उठानी चाहिए। शी चिनफिंग ने अपने भाषण में पांच राय रखीं यानी जनता और जान की सर्वोपरि प्राथमिकता पर कायम रहना, वैज्ञानिक नीति अपना कर व्यवस्थित ढंग से महामारी से निपटना, एकजुटता पर कायम रहना, न्याय व निष्पक्षता पर कायम रह कर प्रतिरोधक क्षमता की खाई पाटना और प्रशासन व्यवस्था को संपूर्ण बनाना। शी ने अपने भाषण में घोषणा की कि भावी तीन सालों में चीन और 3 अरब डॉलर की अंतर्राष्ट्रीय सहायता प्रदान करेगा, जिसका प्रयोग विकासशील देशों द्वारा महामारी के मुकाबले और आर्थिक व सामाजिक विकास में किया जाएगा। चीन ने विश्व को कोरोना की 30 करोड़ खुराकें प्रदान कीं। चीन भविष्य में और अधिक वैक्सीन प्रदान करने की पूरी कोशिश करेगा। वैश्विक स्वास्थ्य शिखर बैठक जी-20 ग्रुप के अध्यक्ष देश इटली और यूरोपीय संघ समिति की संयुक्त पहल पर आयोजित हुई। शिखर बैठक में रोम घोषणा जारी की गई, जिसमें दोहराया गया कि जी-20 ग्रुप एकता, सहयोग, वैज्ञानिक नीति को मजबूत किया जाएगा और जनता को महामारी नियंत्रण के केंद्र में रखा जाएगा और वित्त व टीके में विकासशील देशों की सहायता को बढ़ाया जाएगा।

पाकिस्तान ने भारतीय उच्चायोग के 12 अधिकारियों को पृथक-वास में रहने को कहा , परिवार और वाहन चालकों के साथ

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

इमरान सरकार ने भारतीय उच्चायोग के 12 अधिकारियों को परिवार और वाहन चालकों सहित पृथक-वास में रहने को कहा है। दरअसल पिछले सप्ताह भारत से लौटने पर इसमें से एक में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई थी। विदेश कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता जाहिद हफीज चौधरी ने बताया कि 12 अधिकारी और उनके परिजन शनिवार (22 मई) को वाघा सीमा पार करके पाकिस्तान आए थे। सभी 12 अधिकारियों के पास कोरोना संक्रमण की जांच रिपोर्ट थी, लेकिन पाकिस्तान के सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत इनकी फिर से जांच की गई। प्रवक्ता के मुताबिक पाकिस्तान के स्वास्थ्य अधिकारियों की जांच में एक अधिकारी की पत्नी में संक्रमण की पुष्टि हुई। कोरोना पर पाकिस्तान की शीर्ष इकाई 'नेशनल कमांड एवं कंट्रोल सेंटर (एनसीओसी) ने मामले की समीक्षा कर सभी अधिकारियों, उनके परिजन और वाहन चालकों को पृथक-वास में रहने की सलाह दी। अधिकारी ने कहा, भारतीय उच्चायोग को एनसीओसी के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले के कहा कि दोनों देशों के बीच निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत अगर कोई राजनयिक कर्मचारी या उनका कोई सहयोगी संक्रमित पाया जाता है,तब उन्हें उनके देश वापस भेजने के बजाए उसी देश में पृथक-वास में रहना होगा।

चीन के साथ प्रतिरोध करने से एक संघर्ष छिड़ेगा : हेनरी किसिंजर

बीजिंग (एजेंसी)।

अमेरिकी पूर्व विदेश मंत्री हेनरी अल्फ्रेड किसिंजर ने हाल ही में स्विट्जरलैंड के न्यू ज्यूरिख टाइम्स अखबार को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि चीन के साथ प्रतिरोध करने से एक संघर्ष छिड़ेगा, जिसका कोई विजेता नहीं होगा। न्यू ज्यूरिख टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वाशिंगटन और पेइचिंग शीतयुद्ध से कितने दूर होने के सवाल का जवाब देते हुए किसिंजर ने कहा कि पिछले एक साल में, विशेष रूप से पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल के अंतिम कुछ महीनों में चीन और अमेरिका के बीच तनावपूर्ण स्थिति तेजी से गंभीर हुई है। किसिंजर मानते हैं कि बाइडेन सरकार को समझ में आ गया है कि चीन के साथ प्रतिरोध करना चीन और अमेरिका के हितों के अनुकूल नहीं है और दुनिया के हित के अनुकूल भी नहीं है, जिससे प्रथम विश्व युद्ध जैसा एक संघर्ष छिड़ेगा, जिसका कोई विजेता नहीं होगा। संघर्ष दोनों पक्षों की थकावट के साथ-साथ समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा, किसिंजर ने अमेरिका की एक गंभीर घरेलू समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि अमेरिकी जनमत में चीन को स्थायी दुश्मन के रूप में माना जाता है। इस देश के लोगों को आशंका है कि अमेरिका में हुई सभी बुरी बातें चीन की इच्छा से हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार किसिंजर ने यह भी कहा है कि बाइडेन सरकार के लिए टकराव छोड़कर एक निरंतर रणनीति तैयार करना और अधिक जटिल हो जाएगा। किसिंजर ने हाल ही में चीन-अमेरिका संबंधों पर कई बार बयान दिये हैं। इससे पहले उन्होंने चेतावनी दी थी कि चीन और अमेरिका के बीच तनावपूर्ण संबंधों से दो प्रमुख सैन्य प्रौद्योगिकी दिग्गजों के बीच व्यापक संघर्ष छिड़ेंगे। इससे मानव के सामने कयामत के दिन का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। चीन के प्रति अमेरिकी नीतियों की चर्चा करते हुए किसिंजर ने कहा कि अमेरिका के सिद्धांतों पर कायम रहते हुए चीन का सम्मान मांगना आवश्यक है और साथ ही चीन के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने और सहयोग के क्षेत्रों की तलाश करने की जरूरत भी है।

संक्षिप्त समाचार

अफगान बलों ने तालिबान के हमलों को नाकाम किया, झड़प में 23 मरे

काबुल। यहां बदख्शां प्रांत में सोमवार को छह जिलों में तालिबान ने हमले किए, जिसे अफगान बलों ने विफल कर दिया। इस झड़प में समूह के 20 आतंकवादी और तीन अफगान सुरक्षाकर्मी मारे गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान के आतंकवादियों ने सोमवार तड़के रघिस्तान, वर्दोज, जरम, खश, दारयम और यफ्ताल पायन जिलों पर एक साथ हमले किए, लेकिन उनके हमलों को नाकाम कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि कुछ घंटों तक चली इस लड़ाई में कुल 10 आतंकवादी और पांच सैनिक भी घायल हो गए। तालिबान आतंकवादियों ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। इस महीने की शुरूआत से अमेरिका और नाटो सैनिकों ने देश से हटना शुरू कर दिया है, तो दूसरी ओर हिंसा फिर से तेज हो गई है।

इटली में हजारों फुट ऊंचाई से गिरी केबल कार, 14 लोगों की मौत व 9 घायल

इंटरनेशनल डेस्कः इटली में रविवार को हुए भयावह हादसे में काफी ऊंचाई से केबल कार जमीन पर गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उत्तरी इटली में एक खूबसूरत पर्वतीय इलाके में यह हादसा हुआ जिसमें हादसे में 9 लोग घायल बताए गए हैं जिनमें दो बच्चों की हालत गंभीर है। अग्निशमन दस्ते द्वारा ली गई तस्वीरों में दुर्घटना की भयावहता देखी जा सकती है। केबल कार मोटारोन शिखर के निकट चीड़ के पेड़ों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह वह स्थान है जहां से लेक मैजिओरी (झील) दिखती है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक इटली के इस क्षेत्र में आल्प्स पर्वत श्रंखला है। यहां दुनियाभर से टूरिस्ट आते हैं। यहां लेक मेगियोर है। दो पहाड़ों के बीच केबल कार फेसेलिटी है। इसकी दूरी 4900 फुट है। इस दूरी को केबल कार से तय करने में करीब 20 मिनट लगते हैं। इमरजेंसी सर्विस ने एक बयान में बताया कि हादसे की असल वजह फिलहाल सामने नहीं आ सकी है। इसकी कई पहलुओं पर जांच की जा रही है। बयान के मुताबिक जिस वक्त केबल कार क्रैश हुई उस वक्त लैंडिंग केबिन सिर्फ 100 मीटर दूर था। 9 लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि बाद में तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस मामले में प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। दरअसल 2014 में इस केबल कार फेसेलिटी को मेंटेनेंस के लिए बंद कर दिया गया था। तब भी इसकी सुरक्षा पर सवालिया निशान लगे थे। 2 साल बाद 2016 में इसे फिर शुरू किया गया था। हालांकि बाद में इसका मेंटेनेंस ही नहीं किया गया। कोविड-19 महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के बाद इसे हाल में ही खोला गया था।

पाकिस्तानी वायु सेना कुख्यात तुर्की अर्धसैनिक समूह को सहयोग करने को तैयार

अंकारा। पाकिस्तानी वायु सेना (पीएएफ) एक कुख्यात तुर्की अर्धसैनिक समूह के साथ सहयोग करने के लिए सहमत हो गई है, इसपर संयुक्त राष्ट्र द्वारा लीबिया में सैन्य अभियानों में भाग लेने के लिए सीरियाई सशस्त्र समूहों के लड़ाकों को तैनात करने का आरोप लगाया गया है। पाकिस्तानी वायुसेना की नीति थिंक टैंक, सेंटर फॉर एयरोस्पेस एंड सिक्योरिटी स्टडीज, इस्लामिक यूनियन कांग्रेस का एक भागीदार बन गया है, जिसे एसोसिएशन ऑफ जस्टिस डिफेंडर्स स्ट्रैटेजिक स्टडीज सेंटर द्वारा आयोजित किया गया है। यह निजी सेना द्वारा संचालित एक संगठन है। 2020 में, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने खुलासा किया कि कैसे तुर्की सरकार ने लीबिया में अपने अर्धसैनिक ठेकेदार सादात का इस्तेमाल किया और वरिष्ठ अधिकारियों के समूह द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में तुर्की के अधिकारियों से स्पष्टीकरण का अनुरोध किया। चिट्ठी में कहा गया है, तुर्की अधिकारियों ने कथित तौर पर चयन की सुविधा के लिए निजी सैन्य और सुरक्षा कंपनियों को अनुबंधित किया। साथ ही सेनानियों के लिए आधिकारिक और संविदात्मक दस्तावेज तैयार करने की भी बात की। इस संदर्भ में उद्धृत कंपनियों में से एक सादात इंटरनेशनल डिफेंस कंसल्टेंसी थी। रिपोर्टर्स ने दावा किया कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सआदत ने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सशस्त्र संघर्ष में भाग लेने के लिए भर्ती करने में योगदान दिया। इस्लामिक यूनियन कांग्रेस सभाओं की एक श्रृंखला है, जो 2017 में शुरू हुई और 2023 तक जारी रहेगी। यह आयोजन सत्ताधारी पार्टी, सरकारी एजेंसियों और तुर्की एयरलाइंस द्वारा संचालित नगर पालिकाओं द्वारा प्रायोजित है।

म्यामांर तख्तापलटः गिरफ्तारी के बाद पहली बार आंग सू व्यक्तिगत रूप से अदालत में हुईं पेश

बैंकॉक (एजेंसी)।

म्यांमार की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची एक फरवरी को सैन्य तख्तापलट के बाद हिरासत में लिए जाने के बाद पहली बार सोमवार को व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष पेश हुईं। म्यांमार के मीडिया के अनुसार उनके वकीलों में से एक मिन मिन सो ने एसोसिएटेड प्रेस को फोन कर बताया कि सू ची राजधानी नेपीता की नगर परिषद इमारत में स्थापित विशेष अदालत के समक्ष पेश हुईं और इससे पहले अपने वकीलों से मिलीं। वकील राष्ट्रपति विन मिंट से भी मिले जिनकी सरकार में सू ची स्टेट काउंसलर थीं। वह भी उन्हीं आरोपों का सामना कर रहे हैं जिनका सामना सू ची कर रही हैं। सू ची कई आपराधिक मामलों का सामना कर रही हैं लेकिन पूर्व में उन्हें वीडियो कांफ्रेंस के जरिये अदालत में पेश किया जाता था। सू ची को किसी वकील से भी मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही थी। मिन मिन सो ने बताया कि सू ची का म्यांमा के लोगों को संदेश है कि उनकी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) पार्टी उनके साथ खड़ी है। मिन मिन सो ने अदालत में सुनवाई के बाद कहा, '' मुख्य बात जो उन्होंने (सू ची ने) कहा कि वह हमेशा सभी लोगों की अच्छी सेहत और बेहतरी की कामना करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकी हस्ठ की स्थापना लोगों के लिए की गई है और एनएलडी तबतक वजूद में रहेगी जबतक लोग रहेंगे। उन्होंने कहा, ''वह तरोताजा, स्वस्थ और आत्मविश्वास से लबरेज दिख रही थीं।%% सू ची के खिलाफ सोमवार को सुनवाई विभिन्न आपराधिक मामलों को लेकर हुई जिसका वह सामना कर रही हैं। इनमें दो मामले कोविड-19 के मद्देनजर वर्ष 2020 के चुनाव प्रचार के दौरान प्राकृतिक आपदा प्रबंधन कानून का उल्लंघन करने के हैं।

संपादकीय

दांत और कोरोना

कोविड और उससे बचाव के बारे में धीरे-धीरे कई नई बातें सामने आ रही हैं। जैसे कई अध्ययनों से यह पता चला है कि दांतों और मसूड़ों की सफाई व उनके स्वास्थ्य का कोरोना संक्रमण से गहरा रिश्ता है। इस तरह के अध्ययन एक साल पहले से ही आने लगे थे, जिनसे यह मालूम चलता था कि मुंह की सफाई और आम माउथवाश के इस्तेमाल से कोरोना से बचाव हो सकता है। पिछले एक साल में कई और प्रमाण सामने आए हैं, जो मुंह व दांतों के स्वास्थ्य और कोरोना के बीच रिश्ते को स्पष्ट करते हैं। एक ताजा अध्ययन बताता है कि खराब मसूड़े और दांतों की वजह से कोविड संक्रमण की आशंका 8.8 प्रतिशत बढ़ जाती है, जबकि अस्पताल में भर्ती होने की आशंका 2.5 फीसदी और मरीज के वेंटिलेटर पर जाने की आशंका 4.5 प्रतिशत बढ़ जाती है। अगर मरीजों के मुंह और दांतों की सफाई का ध्यान रखा जाए, तो कोरोना के बाद होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में भी कमी हो सकती है। ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस से बचाव में भी इसकी बड़ी भूमिका है, क्योंकि यह बीमारी भी आम तौर पर मुंह में ही जड़ जमाती है। मुंह की सफाई और कोरोना संक्रमण के बीच रिश्ते का मुख्य कारण यही है कि कोरोना वायरस मुंह और नाक के रास्ते ही शरीर में प्रवेश करता है। आज से करीब बीस साल पहले सार्स नामक जो घातक बीमारी फैली थी, उसी के वायरस का कुछ बदला हुआ रूप यह वायरस है। इसीलिए इसका वैज्ञानिक नाम सार्स कोव-2 रखा गया है। मूल सार्स वायरस और इस वायरस में एक फर्क यह है कि सार्स वायरस शरीर में घुसते ही सीधे फेफड़ों पर वार करता था। इससे वह ज्यादा घातक हो गया था। उसके लगभग दस प्रतिशत मरीजों की जान बचाई नहीं जा सकी। लेकिन इसी वजह से वह ज्यादा फैल नहीं पाया, क्योंकि उसके मरीज में संक्रमण होते ही फौरन लक्षण दिखाई देने लगते थे और उसे समूह से अलग कर सकना संभव होता था । इसके उलट मौजूदा कोरोना संक्रमण का वायरस शरीर में घुसकर कछ दिन मुंह, नाक और गले में रहता है, इन दिनों में या तो कोई लक्षण नहीं दिखता या हल्के लक्षण होते हैं। ज्यादातर मरीजों में तो वायरस का फैलाव यहीं तक सीमित रहता है और मरीज ठीक हो जाता है। लेकिन कुछ मरीजों में संक्रमण फेफड़ों तक पहुंचता है और गंभीर लक्षण हो जाते हैं। सार्स कोव-2 के इस गुण की वजह से गंभीर बीमारी और मृत्यु का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम है, लेकिन बहुत ज्यादा लोग संक्रमित हो रहे हैं, क्योंकि जब तक इसके लक्षण प्रकट होते हैं, तब तक मरीज अपने आसपास के कई लोगों को संक्रमित कर चुका होता है। मुंह की सफाई या गरारे करने के पीछे तर्क यही है कि इससे वायरस को मुंह और गले के स्तर पर ही रोका जा सकता है और वह फेफड़ों तक नहीं पहुंच पाता। अगर मसूड़े खराब हों, तो उनकी सूक्ष्म रक्त वाहिनियों के जरिये कोरोना वायरस रक्त प्रवाह में पहुंच जाता है और उससे फेफड़े संक्रमित हो जाते हैं। इसी तरह, बीमार हो जाने के बाद जब शरीर का प्रतिरोधक तंत्र कमजोर होता है, तब मुंह और दांतों की देखभाल किसी अन्य बीमारी के आक्रमण से भी रक्षा कर सकती है। कोरोना न भी हो, तब भी मुंह और दांतों की सफाई एक अच्छी आदत है, पर इन दिनों तो इससे एक बड़ा अतिरिक्त लाभ मिल सकता है।

जिज्ञासा और संशय

हृदयनारायण दीक्षित

संशय ज्ञान यात्रा का मुख्य उपकरण है। लेकिन यह चित्त को स्थिर नहीं होने देता। जीवन रहस्यों के अध्ययन संशय के कारण निष्कर्ष तक पहुंचते हैं। नए प्रश्न उठाते हैं। जानता हूँ कि संशय व्यथा देते हैं तो भी मैं संशयों को महत्वपूर्ण मानता हूँ। संशय और प्रश्नाकुलता की व्यथा रचनात्मक भी होती है। मार्क्स और ऐंगेल्स ने कम्युनिस्ट घोषणा पत्र में सर्वहारा/गरीब/मजदूर की शक्ति बतायी, ''सर्वहारा वर्ग केवल अपने को पुनर्जीवित नहीं करता, अपने साथ पूरी कौम को पूरे समाज को पुनर्जीवित करता है।'' लेकिन भारतीय चिंतन में सर्वहारा नहीं होते। बेशक गरीब होते हैं और गरीब भारतीय समाज के ही अंग हैं। यहां का समाज गतिशील है। यहां वर्ग अस्मिता नहीं है। वर्ग संघर्ष वाम विचार की कल्पना है। यहां आत्मविश्लेषण होता रहता है और आंतरिक शक्तियों का जागरण भी। समाज का जागरण स्वयं को पुनर्जीवित करता है। कम्युनिस्ट विचार का पुनर्जीवन गरीब/सर्वहारा के सामान्य जीवन को मुर्दा मानकर चलता है। मुर्दे ही पुनर्जीवित होते हैं, जीवित के पुनर्जीवित होने के प्रश्न ही नहीं उठते। भारत के ऋषियों ने इसके लिए एक प्यारा शब्द 'द्विज' गढ़ा। द्विज का मतलब होता है, दुबारा जन्म। भारत में द्विज की अनुभूति दूसरी है। एक जन्म जैविक है। माँ जन्म देती है। परिवार पालता है। नाम देता है। संस्कार देता है। अपने ईर्ष्या, द्वेष, बुद्धि विवेक थोपता है। फिर शुरू होता है, आत्मविश्लेषण। बेचैनी बढ़ती है। प्रश्न उठते हैं, प्रश्नाकुल चित्त यथास्थिति पर प्रहार करते रहते हैं। संशय और तर्क के कारण यथास्थितिवादी समाज असुविधा में फंसते हैं। सच्चाईयाँ हाथ लगती है। नए अनुभव नई सच्चाई लाते हैं। जो पहले सच लगता है, वही झूठ हो जाता है। द्विज का मतलब माँ से मिले जन्म के बाद अपने भीतर से ही अपना पुनर्जन्म है। अपने भीतर से अपना दुबारा जन्म लेना आसान काम नहीं है। जन्म के लिए गर्भ चाहिए। गर्भ के लिए क्षेत्र चाहिए। व्यक्ति के भीतर दो जन्मदाता हैं। उसमें माँ है, उसमें पिता हैं। हम सबका जन्म माँ-पिता की समर्पण निधि है। द्विजत्व के लिए भी अपने द्वैत का समर्पण चाहिए। द्वैत की स्थिति में हमारे भीतर से ही हमारा दूसरा जन्म होता है। ऋत, सत्य, रस प्रत्यक्ष हो जाते हैं। अहं शून्यता और समय शून्यता की दीप्ति उगती है। एक ज्योतिर्मय आभा प्रकाश स्नान कराती है। भारत ने इसे द्विजत्व कहा। लेकिन यह निष्कर्ष भी मेरा नहीं है। मैंने द्विज को देखा नहीं है। वेशक तद्विषय तमाम अध्ययन कर चुका हूँ। संशय जस के तस हैं। दुनिया में तमाम वैज्ञानिक शोध हुए है। लगातार हो रहे हैं। विज्ञान समृद्ध हो रहा है लेकिन लोगों के जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास नहीं हुआ। प्रख्यात वैज्ञानिक आईंस्टीन ने स्पष्ट किया है, '' जिसने भी उन उपकरणों व विधियों का व्यवहार करना सीख लिया है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में वैज्ञानिक प्रतीत होते हैं, मैं उन्हें वैज्ञानिक नहीं मानूंगा। मैं उन व्यक्तियों की बात कर रहा हूँ जिनमें वैज्ञानिक मानसिकता जीवंत है।'' वैज्ञानिक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण में अंतर है। विज्ञान प्रकृति की गतिविधि की खोज करता है। वह वैज्ञानिक शोध से प्राप्त सत्य के सदुपयोग पर गंभीर नहीं होता । वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सम्बंध लोक मंगल से है। इस दृष्टिकोण के समर्थक अंधविश्वासी नहीं होते। वे जिज्ञासा, तर्क और संशय के उपकरणों से समृद्ध होते है। आइंस्टीन के अनुसार ''जो विषय वस्तु सामने है, वह इन्द्रियों से प्राप्त अनुभव है, जो सिद्धांत इसकी व्याख्या करता है, वह मानवकृत है। वह अनुकूलन की श्रम साध्य प्रक्रिया है- पूर्वानुमानित कभी कभी पूरी तरह अंतिम नहीं होते। यह सदा प्रश्नों और संदेहों से ग्रस्त रहने वाली होती है।'' वैज्ञानिक दृष्टिकोण में प्रश्नों और संदेहों की उपयोगिता है। प्रश्न और संदेहों से अंधविश्वास टूटते हैं। ऋग्वेद प्रश्न जिज्ञासा और संदेहो वाले विवरण से भरा-पूरा है। अनेक ऋषियों के चित्त में प्रकृति रहस्यो जिज्ञासा की व्यथा है। ऋग्वेद में दर्शन और विज्ञान के जन्म और विकास के सूत्र हैं। सामाजिक विकास के प्रथम चरण में दर्शन और विज्ञान अलग-अलग नहीं थे। प्रयोगशाला वाला विज्ञान बहुत बाद का है। ज्ञान प्राप्ति की इच्छा व प्रयास अंतहीन है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रचलित पंथिक विश्वासों में सहमति नहीं होती। विज्ञान से उपलब्ध जानकारी कभी अन्तिम नहीं होती। तमाम वैज्ञानिक विज्ञान के ही निष्कर्ष संशोधित करते रहते हैं। विज्ञान से उपलब्ध ज्ञान अंतिम नहीं होता। ज्ञान-विज्ञान सतत् विकासशील अनुशासन है। पंथिक विश्वास अपने ज्ञान को अंतिम सत्य मानते हैं। वे अपने ज्ञान को दैवी बताते हैं। जो दैवी ज्ञान को नहीं मानते, वे उन्हें दंडित करने की योजना बनाते रहते हैं। पंथिक विचार में तर्क, संदेह व जिज्ञासा की गुंजाइश नहीं है। वैदिक ज्ञान में देवों पर भी तमाम प्रश्न है। जिज्ञासा है और संशय भी है। यूरोप के अनेक दार्शनिक भी देवो के सम्बन्ध में संशय का साहस नहीं जुटा सके। यूनानी दार्शनिक सुकरात को देवो पर प्रश्न करने के लिए मृत्युदण्ड दिया गया था। आज का विश्व इसके पहले के विश्व के विकास का परिणाम है। प्रकृति सतत् परिवर्तनशील है, लेकिन लगभग 18वीं सदी के अन्तिमकाल तक यूरोप के वैज्ञानिक और दार्शनिक प्रकृति के परिवर्तनों के बारे में सजग नहीं थे। वे यह मानते थे कि प्रकृति सदा से ऐसी ही है। यह बात ठीक है कि प्रकृति सदा से है लेकिन प्रतिफल परिवर्तनीय भी है। भारतीय चिंतन के अनुसार प्रकृति सदा से ऐसी नहीं है। यूरोपीय विद्वानों ने यह बात बाद में स्वीकार की। एंगिल्स ने लिखा है कि ज्ञान ज्ञान के क्षेत्र में और वस्तु, पदार्थ के विवेचन में 18वीं सदी के पूर्व का प्रकृति विज्ञान यूनान के प्रचीनकाल से ज्यादा ऊंचाई पर है, लेकिन इस सामग्री पर सैद्धान्तिक रूप में अधिकार करने में, सामान्य दृष्टिकोण में यूनानी प्राचीनकाल से इतने ही नीचे हैं। प्राचीन यूनानी दर्शन में सृष्टि के जन्म के लिए किसी एक आदि तत्व पर गहन विचार हुआ है। यही विचार भारतीय चिंतन के वैदिककाल में भी है। सृष्टि निर्माण के सम्बन्ध में विवेकपूर्ण ऋषियों की जिज्ञासा गहरी है। वह विनम्रतापूर्वक प्रश्न करते हैं, ''कौन जानता है, कौन बतायेगा कि यह सृष्टि कैसे और कहॉ से उत्पन्न हुई। देवता भी सृष्टि के बाद ही उत्पन्न हुए हैं। (10.129.16) वैदिक ऋषियों के चिंतन में संशय भी है। ऋग्वेद में ऐसे अनेक प्रश्न सूर्य के बारे में है। यहां ऋषियों के संशय और मजेदार हैं। कहते हैं कि सूर्य बिना सहारे के नीचे की ओर उन्मुख होकर प्रकाश देते हैं। वह ऊपर की ओर भी उन्मुख हैं। ऋषि के मन में संशय जिज्ञासा और प्रश्न हैं। सूर्य के बारे में जिज्ञासा है। कि वह रात्रि के समय कहॉ रहता है। ऋग्वेद (1.164.4) में जिज्ञासा है जो स्वंय अस्थिविहीन है लेकिन अस्थिवानों का पोषक है। उसे जन्म लेते किसने देखा है? इसी तरह का एक संदर्भ प्रश्न पृथ्वी के बारे में भी है कि भूमि के प्राण कहॉ है। सम्पूर्ण लोकों और भूमि के केन्द्र के बारे में भी प्रश्न है, मैं सभी भूतो के बारे में जानता चाहता हूँ।'' आकाश, अग्नि, जल और वायु भारतीय चिंतन में पांच तत्व हैं, ऋषि प्रश्न तर्क और संशय के विवरण में कहीं-कहीं निरूपाय जैसे दिखाई पड़ते हैं। कहते हैं कि मैं नहीं जानता कि सत्य क्या है? अपनी ओर से भी जानकारी देते हैं। जिज्ञासा और संशय शोध का उपकरण बने रहते हैं। (लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हैं।)

आज के ट्वीट

गृहयुद्ध

गृहयुद्ध के कगार पर है पाकिस्तान,एशिया टाइम्स ने लिखा, 73 साल बाद भी अपना मकसद नहीं पा सका पाक यह देश एक असहिष्णु देश बनकर रह गया है!

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

जीवन

जग्गी वासुदेव

जीवन के बहुत से पहलू हैं। जन्म है, बचपन है, जवानी है और बुढ़ापा भी। प्रेम, कोमलता, मिठास और कड़वाहट भी है। सफलता की खुशी है, कुछ पाने का संतोष है, दर्द है और आनंद भी। जीव को समझाने वाला सबसे महत्वपूर्ण पहलू है-मृत्यु, वो किसी भी मन की पकड़ के बाहर है- चाहे आप अपने को कितना ही बुद्धिमान, होशियार या बड़ा बुद्धिजीवी मानते हों। चूंकि हम मरणशील हैं, मरने वाले हैं, इसीलिए जीवन उस तरह से चल रहा है जैसे वो चल रहा है। हम मरने वाले नहीं होते तो न कोई बचपन होता, न जवानी, न बुढ़ापा। तब हम सवाल भी ना उठा पाते कि जन्म क्या होता है? आप मृत्यु को नहीं समझते तो जीवन को नहीं जान सकेंगे, न ही उसे संभाल पाएंगे क्योंकि जीवन और मृत्यु सांस लेने और छोड़ने की तरह हैं। बिना अलग हुए, साथ-साथ रहते हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया तभी शुरू होती है जब आप मृत्यु का सामना करते हैं-या तो खुद की या ऐसे व्यक्ति की जो आपको प्रिय है और जिसके बिना जीने की बात आप नहीं सोच सकते। जब मृत्यु आ रही हो, या हो गई हो तब ही अधिकतर लोगों के मन में सवाल आता है, 'ये सब क्या है, और इसके बाद क्या होगा'? जब तक केवल जीवन ही सत्य लगता है तब तक आपको विश्वास नहीं होता कि ये बस ऐसे ही खत्म होने वाला है। जब मृत्यु पास आ जाती है तभी मन सोचना शुरू करता है कि कुछ और भी है, जो इससे ज्यादा है। पर मन चाहे कितना भी सोच ले, वास्तव में जानता कुछ नहीं है क्योंकि मन सिर्फ उसी डेटा के आधार पर काम करता है जो वो पहले से इकट्ठा कर चुका है। मन का मृत्यु के साथ कोई वास्ता नहीं पड़ा है तो वो मृत्यु के बारे में नहीं जानता क्योंकि इसके पास उसके बारे में कोई आधारभूत जानकारी नहीं है-सिर्फ कुछ गप्पबाजी है। आपने ऐसी गप्पें सुनी होंगी कि कैसे जब आप मर जाएंगे तो आप जाकर भगवान की गोद में बैठेंगे। ऐसा है तो आपको आज ही मर जाना चाहिए। आपको ऐसा विशेष अधिकार मिलने वाला हो तो पता नहीं आप इसे टाल क्यों रहे हैं? आपने स्वर्ग और नर्क के बारे में भी गप्पें सुनी होंगी। देवदूतों और बाकी चीजों के बारे में भी गपशप सुनी हैं पर कोई पक्की जानकारी नहीं है। ये सोचने में समय बर्बाद मत कीजिए कि मृत्यु के बाद क्या होता है, क्योंकि वो आपके मन की सीमा के बाहर की बात है।

क्यों मिग को ढोते रहना है वायुसेना की मजबूरी ?

योगेश कुमार गोयल

एक और मिग-21 विमान 20 मई की रात दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में मिग के नष्ट होने के अलावा इसे उड़ा रहे पायलट स्क्वाड्रन लीडर अभिनव चौधरी की मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा पंजाब में मोगा जिले के लंगियाना खुर्द गांव के पास हुआ। हालांकि पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए हादसे से ठीक पहले उड़ते हुए विमान से छलांग लगा दी थी लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। दरअसल ज्यादा ऊंचाई से नीचे गिरने के कारण उसकी गर्दन टूट गई थी, जो उसकी मौत का कारण बना। हादसा इतना भीषण था कि विमान जमीन के अंदर पांच फुट तक धंस गया, विमान के टुकड़े सौ फुट दूरी तक फैल गए और आग लगने से इसका आगे का पूरा हिस्सा जल गया। फिलहाल वायुसेना द्वारा इस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं लेकिन सवाल एकबार फिर वही उठ खड़ा हुआ है कि बार-बार इन विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बावजूद इन्हें वायुसेना से क्यों नहीं हटाया जाता? यह कोई पहला हादसा या बहुत लंबे समय बाद हुआ हादसा नहीं है बल्कि इसी साल इससे पहले भी दो मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं जिनमें एक पायलट जान बचाने में सफल रहा था लेकिन दूसरे हादसे में पायलट की मौत हो गई थी। पूर्व वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ ने अपने कार्यकाल के दौरान करीब दो वर्ष पूर्व वायुसेना के बेड़े में शामिल दशकों पुराने मिग लड़ाकू विमानों को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि हमारी वायुसेना जितने पुराने मिग विमानों को उड़ा रही है, उतनी पुरानी तो कोई कार भी नहीं चलाता। उक्त कथन वायुसेना प्रमुख ने दिल्ली में 'भारतीय वायुसेना का स्वदेशीकरण और आधुनिकीकरण योजना' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में व्यक्त किए थे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में उनका कहना था कि भारतीय वायुसेना की स्थिति बिना लड़ाकू विमानों के बिल्कुल वैसी ही है, जैसे बिना फोर्स की हवा। धनोआ का स्पष्ट कहना था कि दुनिया को अपनी हवाई ताकत दिखाने के लिए हमें अभी और अधिक आधुनिक लड़ाकू विमानों की आवश्यकता है। उनके मुताबिक मिग विमानों का निर्माता देश रूस भी अब मिग-21 विमानों का उपयोग नहीं कर रहा है लेकिन भारत इन विमानों को अभीतक उड़ा रहा है क्योंकि हमारे यहां इनके कल-पुर्जे बदलने और मरम्मत की सुविधा है। हालांकि उनकी इस टिप्पणी को अगर बहुत पुरानी कारों का इस्तेमाल न किए जाने से जोड़कर देखें तो उसका सीधा अर्थ है कि जब कल-पुर्जे बदलकर मरम्मत के सहारे इतनी पुरानी कार को चलाना ही किसी भी दृष्टि से किफायती या उचित नहीं माना जाता तो मिग-21 विमानों को कैसे माना जा सकता है ? भारतीय वायुसेना को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए करीब दो सौ अत्याधुनिक विमानों की जरूरत है और राफेल, सुखोई तथा तेजस जैसे स्वदेशी विमानों की पूरी खेप मिल जाने के बाद ही वायुसेना की कमी काफी हद पूरी हो सकेगी लेकिन अभी इसमें लंबा समय लगेगा। जहां तक मिग विमानों की बात है तो भारत का सोवियत संघ के साथ 1961 में मिग-21 विमानों के लिए ऐतिहासिक सौदा हुआ था। वायुसेना को 1964 में पहला सुपरसोनिक मिग-21 विमान प्राप्त हुआ था। भारत ने रूस से 872 मिग विमान खरीदे, जिनमें से अधिकांश क्रैश हो चुके हैं। हालांकि इन विमानों ने 1971 की लड़ाई से लेकर कारगिल युद्ध सहित कई विपरीत परिस्थितियों में अपना लोहा मनवाया और बहुत पुराने होने के बावजूद फरवरी 2019 में पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराकर अपनी सफलता की कहानियों में एक और अध्याय जोड़ दिया था किन्तु ये अब इतने पुराने हो चुके हैं कि पिछले कुछ वर्षों में ही कई हादसों में हम अनेक मिग विमान और सैंकड़ों बेशकीमती पायलट खो चुके हैं। यही कारण रहे हैं कि पांच दशक से ज्यादा पुराने इन मिग विमानों को बदलने की मांग लंबे समय से हो रही है किन्तु वायुसेना के लिए लड़ाकू विमानों की कमी के चलते इनकी सेवाएं लेते रहना वायुसेना की मजबूरी रही है। वायुसेना का कहना है कि मिग बाइसन विमानों को छोड़कर 2030 तक चरणबद्ध तरीके से अन्य सभी मिग विमानों को भी हटाया जाएगा। मिग-21 के अलावा वायुसेना के पास इस समय सौ से ज्यादा मिग-23, मिग-27 और मिग-29 विमान हैं जबकि करीब 112 मिग बाइसन हैं। मिग बाइसन चूंकि अपग्रेड किए हुए मिग विमान हैं, इसलिए उनका इस्तेमाल जारी रहेगा लेकिन बाकी सभी मिग विमानों को चरणबद्ध तरीके से वायुसेना से बाहर किया जाएगा। करीब एक दशक पहले मिग विमानों को बाइसन मानकों के अनुरूप अपग्रेड करना शुरू कर उनमें राडार, दिशासूचक क्षमता इत्यादि बेहतर की गई थी किन्तु अपग्रेडेशन के बावजूद वास्तविकता यही है कि मिग विमानों की उम्र बहुत पहले ही पूरी हो चुकी है। हालांकि मिग अपने समय के उच्चकोटि के लड़ाकू विमान रहे हैं लेकिन अब ये विमान इतने पुराने हो चुके हैं कि सामान्य उड़ान के दौरान ही क्रैश हो जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही मिग विमानों की इतनी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं कि अब इन्हें 'हवा में उड़ने वाला ताबूत' भी कहा जाता है। आज के समय में ऐसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की जरूरत है, जो छिपकर दुश्मन को चकमा देने, सटीक निशाना साधने, उच्च क्षमता वाले राडार, बेहतरीन हथियार, ज्यादा वजन उठाने की क्षमता इत्यादि सुविधाओं से लैस हों। जबकि मिग का न तो इंजन विश्वसनीय है और न इनसे सटीक निशाना साधने वाले उन्नत हथियार संचालित हो सकते हैं। रक्षा विशेषज्ञों की मानें तो मिग विमान 1960 और 70 के दशक की तकनीक के आधार पर निर्मित हुए थे जबकि अब हम 21वीं सदी के भी दो दशक पार कर चुके हैं और पुरानी तकनीक वाले ऐसे मिग विमानों को ढो रहे हैं, जिनका आधुनिक तकनीक से निर्मित लड़ाकू विमानों से कोई मुकाबला नहीं है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सही मायनों में मिग विमानों को 1990 के दशक में ही सैन्य उपयोग से बाहर कर दिया जाना चाहिए था क्योंकि हर लड़ाकू विमान की एक उम्र मानी जाती है और मिग विमानों की उम्र दो दशक से ज्यादा समय पहले ही पूरी हो चुकी है लेकिन हम इन्हें अपग्रेड कर इनकी उम्र बढ़ाने की कोशिश करते रहे हैं और तमाम ऐसी कोशिशों के बावजूद इनकी कार्यप्रणाली धोखा देती रही है। जिसका नतीजा मिग विमानों की अक्सर होती दुर्घटनाओं के रूप में बार-बार देखा जाता रहा है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक अपनी वायुसेना को गंभीरता से लेने वाले देशों में भारत संभवतः आखिरी ऐसा देश है, जो अबतक मिग-21 जैसे बहुत पुराने लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करता रहा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वेलवेट का स्टाइलिश फैक्टर

कोई भी चीज एकदम में समाप्त नहीं हो जाती, खासकर फैशन में तो बिल्कुल नहीं। यह अलग बात है कि कुछ समय के लिए किसी भी फैशन का ट्रेंड समाप्त हो जाए, लेकिन वह एक बार फिर उसी लुक में या कुछ बदलाव के बाद नए लुक में दोबारा आता है। वेलवेट के साथ भी यही हुआ। 70-80 के दशक में धूम मचाने के बाद यह एक बार फिर से लौटा आया है।

पुरुषों में वेलवेट

70 के दशक में एक्टर इफ्तिखार ने वेलवेट का स्मोकी जैकेट पहना था। उसके बाद कुछ दिनों तक इसका क्रेज रहा, लेकिन धीरे-धीरे वेलवेट के जैकेट का क्रेज कम होता गया। अभी हाल में अभिषेक बच्चन ने भी वेलवेट का जैकेट पहना था, लेकिन इंसर्सेस से यह मैच नहीं खा रहा था। जबकि ऋतिक रोशन के ऊपर वेलवेट का यह जैकेट खूब फब रहा था। पुरुषों को वेलवेट का जैकेट पहनते समय अपना हेयरस्टाइल और पर्सनाल्टी देखना चाहिए।

परंपरागत भारतीय ड्रेस

सूट, लहंगा और साड़ी में वेलवेट के इस्तेमाल का चलन इन दिनों काफी बढ़ गया है। चाहे वह एप्लीक वर्क के रूप में हो या फिर बॉर्डर को सजाने में। वेलवेट एक रिच फैब्रिक है और लंबे समय बाद ट्रेंड में है। साड़ी के बॉर्डर से लेकर अनारकली सलवार-कमीज तक यह खूब पसंद किया जा रहा है। वेलवेट के इस ड्रेस को सिलेब्रिटीज भी खूब पसंद कर रहे हैं।

वेलवेट का आधुनिक तड़का

ड्रेस डिजाइनर मानते हैं कि, वेलवेट ट्रिमिंग इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। लोग अब नेट की साड़ी या दुपट्टे पर एक इंच का वेलवेट बॉर्डर चाहते हैं। किसी और समय के मुकाबले इसकी मांग इन दिनों सबसे ज्यादा है। मार्केट में इन दिनों कई तरह के वेलवेट उपलब्ध हैं। जिनमें पॉलिस्टर, विस्कोस और सिल्क हैं। इनमें सिल्क सबसे ज्यादा चमकदार और खर्चीला होता है। वैसे विस्कोस भी सिल्क जैसा ही प्रभाव पैदा करता है, वह भी कम खर्च में। वेलवेट में 'बर्न्ट-आउट वेलवेट भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यह एक सिल्क जॉर्जेट फ्रेबिक है, जिस पर लाइक्रा और वेलवेट की थोड़ी सी इम्बॉसिंग होती है। यदि आपका ड्रेस एक चौड़े बॉर्डर वाला हो तो यह उस पर खूब फबता है। कुछ लोग कुंदन के काम वाले फुल वेलवेट शेरवानी और जैकेट भी पसंद करते हैं।

क्या है खास

साड़ी के पल्लू और ब्लाउज में वेलवेट वर्क काफी पसंद किया जाता है। वैसे, वेलवेट ब्लाउज तभी अच्छा लगता है, जब इसमें कम फैब्रिक यूज हो और इसका डिजाइन, कलर व वर्क साड़ी से ज्यादा हाइलाइट न हो। इन दिनों यह सूट-सलवार में भी खूब यूज हो रहा है। एक प्रभावी चौड़े वेलवेट बॉर्डर वाला सूट या लहंगा लंबे लोगों पर काफी फबता है।

सिलेब्रिटीज को है पसंद

वेलवेट की दीवानगी बहुत ज्यादा नहीं रही है। पिछले दिनों माधुरी दीक्षित, उर्मिला मातोंडकर, रानी मुखर्जी और ऐश्वर्या राय जैसी अभिनेत्रियां वेलवेट से बने परंपरागत ड्रेस में नजर आईं। वेलवेट का इस्तेमाल ज्यादातर परंपरागत ड्रेस लहंगा, सलवार कमीज और साड़ी में होता है। इनमें कशीदकारी बहुत ही बारीक और सुंदर रूप से उभर कर आती है। एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में लंबे व स्ट्रेट वेलवेट कुर्ते पहने थे, जिसे लोगों ने ज्यादा नोटिस नहीं किया था। लेकिन कुछ समय तक ब्राइडल आउटफिट्स का पार्ट रहने के बाद यह फैब्रिक मेनस्ट्रीम ड्रेसेज का पार्ट हो गया है। वैसे इस फैब्रिक को बॉलीवुड से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

ऑफ शोल्डर ड्रेसेज

ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने के लिए सबसे जरूरी है कि आप उसे एलिगेंट ज्वैलरी और परफेक्ट मेकअप के साथ कंबाइन करें।
फैशनेवल लुक के लिए ड्रेस को लंबी इयररिंग्ज और फंकी नेकलेस के साथ पहनें।
मेकअप को कम से कम रखें और बालों को बांध लें, ताकि फोकस आपके शोल्डर्स पर रहे।
इवनिंग लुक के लिए ड्रेस को ब्रच और शैनडलेयर्स के साथ कंबाइन करें।
छोटे कद की स्त्रियों को ऑफ शोल्डर ड्रेसेज पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि इनमें उनका कद और छोटा लग सकता है।

जिनकी बांहें अधिक हेवी हैं, उन्हें भी ऑफ शोल्डर ड्रेसेज नहीं पहनना चाहिए।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि आपके आर्म्स और अंडर आर्म्स ठीक तरह से वैक्ज्ड और मॉयश्चराइज्ड हैं।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने से कुछ दिन पहले आर्म्स और शोल्डर्स को टोन करने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज भी कर सकती हैं।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनते समय सही सपोर्ट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए आप सही इनरवेयर का चयन करें।
ग्लैमर लुक के लिए शोल्डर व नेक पर टैटू का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

लेदर एंक्लेटस

टॉम बाय पर्सनैलिटी की लड़कियों को लेदर का एंकलेट्स बहुत खूबसूरत लगता है। यदि आप लेदर का एंकलेट्स पहन रहीं हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह बहुत चौड़ी न हो नहीं तो यह आप के लुक को डाउन कर देगा।

एंक्लेट्स का ट्रेंडी फंडा

एक समय पैरो में सजी पायल और उससे निकले वाली मधुर ध्वनि सबको अपनी आरे आकर्षित करती थी लेकिन अब इसका फैशन पुराना पड़ गया है। आजकल एंक्लेट चलन में है। कॉलेज गोइंग गर्ल्स आज पायल की जगह एंक्लेट पहनना ज्यादा पसंद करती हैं।

एक पैर में पहना जाने वाला यह एंक्लेट कॉलेज गोइंग गर्ल्स के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। स्टाइलिश लुक के लिए कई तरह की एंक्लेट्स मार्केट में है। आप इन्हें अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से चूज कर सकती हैं। आइए जानते हैं तरह-तरह के एंक्लेट्स के बारे में।

ऑरनामेंटल हैं खास

क्रिस्टल के बने एंकलेट्स बहुत ही खूबसूरत होने के साथ स्टाइलिश भी होते हैं। इसे पहनने के बाद आपको किसी तरह की खास एक्सेसरीज की जरूरत नहीं है। सिंपल और सोबर ड्रेस के साथ आप इसे पहन सकती हैं। ब्लैक, वाइट और ग्रे कलर के आउटफिट के साथ ये ज्यादा खूबसूरत लगती हैं।

चेन से सिंपल लुक

सिंपल एंकलेट्स की मार्केट में बहुत सी वैरायटी है। इसमें आप चाहें तो सिंगल लेयर से लेकर चार लेयर तक की एंकलेट्स का यूज कर सकती हैं। एंकलेट्स के साथ ही नेकलेस पहनना बेहतर रहता है। सिंपल एंकलेट्स शॉर्ट स्कर्ट और कैप्री पर पहनने से लुक काफी ग्लैमरस हो जाता है।

बीड्स एंकलेटस

इस तेरह के एंकलेट्से की खासियत है कि आप इसे किसी भी ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। ये एंकलेट्स आपको सिंपल लुक देती हैं। इन्हें पहनते समय ध्यान रखें कि ज्यादा मेकअप और जूलरी न पहनें। बीड्स का रंग आपकी ड्रेस से मेल खाता हुआ होना चाहिए इससे आपका लुक परफेक्ट लगेगा।

पर्श पर भी नहीं है भारी

इन एंकलेट्स की सबसे खास बात यह है कि इनकी कीमतें सभी लोगों की पहुंच में हैं। यह लोकल मार्केट में ये 20 से लेकर 50 रुपये तक है। वहीं बड़ शोरूमों में इनकी कीमतें 200 से लेकर 500 रुपये तक है।

पैर भी लगें स्टाइलिश

ड्रेस कोई भी हो लेकिन गर्ल्स एंक्लेट पहनना नहीं भूलती। इन दिनों कैप्री के साथ इसका चलन अधिक हो गया है। एंक्लेट पहनने से पैरों की खूबसूरती अधिक बढ़ जाती है। बीबीए स्टूडेंट डिंपल कहती हैं कि एंक्लेट कैप्री या शॉर्ट स्कर्ट के साथ पहना जाए तो डिफरेंट लुक देता हैं साथ ही साथ पैरों की खुबसूरती भी बढ़ जाती है।

ये हैं फेवरेट स्टाइल

थीन वायर एंक्लेट, छोटी बीड एंक्लेट, मल्टी कलर एंक्लेट,चोटी स्टाइल एंक्लेट, गोल्डेन, सिल्वर चेन एंक्लेट, बधेंज स्टाइल, मैटल स्टाइल, क्रिस्टल स्टाइल, शो-पीस घुंघरू स्टाइल।

कलरफुल एंक्लेट्स

फिलहाल कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर महिलाएं भी मैचिंग तथा कलरफुल एंक्लेट्स पहनने लगी हैं। वैसे कलरफुल एंक्लेट्स को हर ड्रेस पर पहना जा सकता है।

नग वाला एंकलेट्स

नए वाला एंकलेट्स अभी-अभी मार्केट में आया है लेकिन इसकी मांग सबसे अधिक है। नग एंकलेट्स को साड़ी, सूट और अन्य ड्रेस के मैचिंग को ध्यान में रखकर पहना जा सकता है। नग वाली एंकलेट्स मल्टी कलर में भी मिलती है। मल्टी कलर का एंकलेट्स सभी ड्रेसेज पर पर फबता है। और यदि डार्क कलर हो तो कहना ही क्या। हैवी नग वाली एंकलेट्स को शादी, पार्टी जैसे मौकों पर पहन सकती है। इसमें सिंगल से लेकर पांच लेयर तक की एंकलेट्स है जो आप अपनी जरूरत के मुताबिक खरीद सकते है।

सब्जियां जो स्वाद बनाएं बेहतर

आप रोजाना घर में सब्जियां बनाते-बनाते परेशान हो गई हैं, लेकिन घर के सदस्यों को स्वाद बढ़िया नहीं लगता। रोज-रोज की झंझट में क्या बनाएं, क्या न बनाएं, कुछ समझ नहीं आता। आइए, हम सब्जियों की रेसिपी बताते हैं, जिससे आप सब्जियां बनाकर न केवल परिवार का दिल जीत लेंगी, वरना आपको भी इनका स्वाद बढ़िया लगेगा।

पालक पनीर

सामग्री - डेढ़ कप पालक, 500 ग्राम पनीर, एक चम्मच अदरक, एक चम्मच लहसुन, आधा कप प्याज (कसा हुआ), एक कप टमाटर (कटा हुआ), आधा कप प्याज, एक कप टमाटर (बारीक कटा हुआ), एक चम्मच जीरा, चौथाई चम्मच गर्म मसाला, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार और एक चौथाई कप तेल।
विधि - तेल गर्म करें और उसमें जीरा मिला दें। जब यह चटकने लगे, तो इसमें अदरक व लहसुन का पेस्ट मिलाएं। इसमें प्याज मिला दें और सभी चीजों को ब्राउन होने दें। इसमें टमाटर मिलाकर मध्यम आंच पर भूनें। अब इसमें गर्म मसाला, नमक और लाल मिर्च पाउडर मिला दें। इसमें पालक को मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करने के बाद पनीर मिला लें। पांच मिनट तक हल्की आंच पर रहने दें और गर्मागर्म सर्व करें।

पालक-मंगोड़ी

आवश्यक सामग्री - पालक - 750 ग्राम (एक बन्च) चीनी - आधा छोटी चम्मच मूंग दाल की मंगोड़ी - 100 ग्राम (एक कप) टमाटर - 4 (मीडियम आकार के) हरी मिर्च - 1-2 अदरक - 1 इंच लम्बा टुकड़ा तेल - 2 टेबल स्पून हींग - 1 पिंच जीरा - आधा छोटा चम्मच खड़ा मसाला हल्दी पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच क्रीम या ताजा मलाई - 2 टेबल स्पून(यदि आप चाहें) बेसन - एक टेबल स्पून नमक - स्वादानुसार (1 छोटी चम्मच) लाल मिर्च - 1/4 छोटी चम्मच (यदि आप चाहें) हरा धनियां - 2 टेबल स्पून (बारीक कतरा हुआ)
विधि - पालक के पत्तों से डंडिया हटा कर अलग कर दीजिए। पत्तों के पानी में अच्छी तरह डुबा कर 2 बार धो कर छलनी में या थाली में तिरछा करके रख दीजिए और पालक के पत्ते से पानी निकल जाने दीजिए। पालक के धुले पत्ते को किसी बर्तन में डालिए, आधा कप पानी और चीनी डाल कर, मध्यम आग पर उबालने के लिए ढंककर रख दीजिए। 8-10 मिनट में पालक उबल जाता है। आग बन्द कर दीजिए। कढ़ाई में 1 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए, गरम तेल में, मूंग दाल की मंगोड़ी डाल कर मध्यम आग पर हल्की ब्राउन होने तक भून लीजिए, भुनी मगोड़ी को प्याले में निकाल कर अलग रख लीजिए। अब मसाले में क्रीम डालिए और 2 मिनट और भून लीजिए भुने मसाले में मगोड़ी, डेड़ कप पानी, भुना हुआ बेसन और नमक डालकर, ढंककर, धीमी आग पर पकने दीजिए। मंगोड़ी नरम हो जाने पर पिसा पालक डालिए। अगर पानी कम लग रहा हो तो आवश्यकतानुसार और पानी मिला दीजिए। सब्जी में उबाल आने के बाद 2-3 मिनट सब्जी को पकने दीजिए। पालक मगोड़ी की सब्जी तैयार है, गैस बन्द कर दीजिए। सब्जी में गरम मसाला और हरा धनियां डाल कर मिला दीजिए। पालक मगोड़ी की सब्जी तैयार है। पालक मगोड़ी की सब्जी को प्याले में निकालिए और ऊपर से थोड़ी सी क्रीम डाल कर सजाइए। गरमा गरम पालक मंगोड़ी की सब्जी चपाती, नान या चावल के साथ परोसिए और खाइए।

पावर ग्रिड ने नगालैंड में ऑक्सीजन संयंत्र को भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के लिए ट्रांसफार्मर चालू किया

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (पीजीसीआईएल) ने नगालैंड में ऑक्सीजन संयंत्र और आसपास के क्षेत्रों को निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए राज्य के दीमापुर स्थित रेफरल अस्पताल सब-स्टेशन में उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर चालू किया है। बिजली मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''पावरग्रिड अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क के माध्यम से महामारी के दौरान विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रियता से काम कर रही है। बिजली आपूर्ति व्यवधानों को कम करने तथा नगालैंड के एक मात्र ऑक्सीजन संयंत्र को पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नगालैंड के विद्युत विभाग ने पावरग्रिड से दीमापुर स्थित रेफरल अस्पताल सब-स्टेशन पर 10 मेगा वोल्ट एम्पेयर (एमवीए) ट्रांसफार्मर चालू करने का आग्रह किया था। बयान के अनुसार, ''इस पर कदम उठाते हुए पावरग्रिड की टीम ने दो दिनों के अंदर सफलतापूर्वक 22 मई, 2021 को को शाम 7.30 बजे ट्रांसफार्मर चालू कर दिया। इससे ऑक्सीजन संयंत्र तथा निकटवर्ती क्षेत्रों को विश्वसनीय रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। पावरग्रिड द्वारा 33/11 केवी रेफरल अस्पताल नगालैंड में नया ट्रांसफार्मर चालू किए जाने से नगा यूनाइटेड गांव स्थित बीएमए के तरल ऑक्सीजन संयंत्र के लिए विद्युत प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ेगी जो पहले 5 एमवीए ट्रांसफार्मर से चल रही थी। ट्रांसफार्मर को चालू होने से सब-स्टेशन के 11 केवी के सब-स्टेशन के रोंगेमी फीडर के माध्यम से ऑक्सीजन संयंत्र को दिन-रात गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद बिजली उपलब्ध होगी। यह कार्य पावरग्रिड के इंजीनियरों ने लॉकडाउन के दौरान कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र विद्युत सुधार परियोजना (एनईआरपीएसआईपी) के तहत किया। यह परियोजना विद्युत मंत्रालय की केंद्रीय योजना है जिसका उद्देश्य देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के आथिक विकास को गति प्रदान करना है। योजना छह लाभार्थी पूर्वोत्तर राज्यों- असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड तथा त्रिपुरा- के सहयोग से पावरग्रिड के माध्यम से लागू की जा रही है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के संपूर्ण आर्थिक विकास और पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों के अंतर्गत पारेषण तथा वितरण ढांचा को मजबूत बनाना है।

ओलेक्ट्रा और ईवे ने 100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए लगाई सबसे कम बोली

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक बस विनिर्माता ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक और उसकी सहयोगी कंपनी ईवे ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड ने मिलकर 100 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए सबसे कम बोली लगाई है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि ईवे ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के गठजोड़ को एक राज्य परिवहन निगम द्वारा भारत सरकार की फेम-2 योजना के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसों (अंतर-महानगरीय परिचालन के लिए) के लिए न्यूनतम बोलीदाता घोषित किया गया है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने कहा कि 100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए ठेका मिलने का पत्र प्राप्त होने के बाद ईवे इन इलेक्ट्रिक बसों को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड से खरीदेगा और 10 महीने की अवधि में इनकी डिलीवरी कर दी जाएगी। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने कहा कि इस ठेके की कीमत करीब 250 करोड़ रुपए है।

बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी, वित्तीय शेयर चमके

मुंबई,
बैंक और वित्तीय शेयरों में तेजी से बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। कोविड-19 संक्रमण के दैनिक मामलों में लगातार कमी से निवेशक थोड़ी राहत महसूस कर रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनमय दर में गिरावट से बाजार में तेजी पर अंकुश लगा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 111.42 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50,651.90 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 22.40 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15,197.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 2.73 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में एसबीआई (भारतीय स्टेट बैंक) रहा। इसके अलावा एल एंड टी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी, मारुति, डा. रेड्डीज और एचडीएफसी के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। बाजार में ज्यादातर तेजी का कारण अच्छी हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लि. में मजबूती है। दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचयूएल अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फिनसर्व आदि शेयर 1.22 प्रतिशत तक नुकसान में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि वैन्न्श्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में तेजी रही। इसका प्रमुख कारण दैनिक आधार पर कोविड-19 संक्रमण के मामले में लगातार कमी आना है। इससे निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, ''...कोविड संक्रमण के नये मामलों में लगातार कमी और इसकी रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन' के जल्दी ही हटाये जाने की उम्मीद से घरेलू शेयर बाजार में तेजी आयी। कंपनियों के सकारात्मक तिमाही परिणाम और संपत्ति गुणवत्ता को लेकर चिंता कम होने से बैंक शेयर निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

राजस्थान सरकार को खनन गतिविधियों से 535 करोड़ का राजस्व

जयपुर, राजस्थान सरकार को राज्य में खनन गतिविधियों से मौजूदा वित्त वर्ष में अब तक कुल 535 करोड़ करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड राजस्व मिला है। अतिरिक्त मुख्य सचिव खनन पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि कोरोना के बावजूद इस साल अप्रैल माह में 297 करोड़ रु. का राजस्व प्राप्त हुआ है जबकि अप्रैल 2020 में केवल 37 करोड़ और उससे एक वर्ष पहले अप्रैल, 2019 में सामान्य परिस्थितियों में भी 251 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ था। उन्होंने बताया कि चालू वर्ष के मई माह में भी 23 मई तक 238 करोड़ 39 लाख रुपये का राजस्व अर्जित हुआ है जबकि मई, 2020 में पूरे माह में 215 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ था। उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष के दो माह में अब तक 535 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि अभी इस माह का करीब आठ दिन का राजस्व एकत्रित होना है। अग्रवाल ने अधिकारियों से राजस्व हानि और अवैध खनन पर कारगर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रमुख और छोटे खनन योग्य नए ब्लॉक तैयार कर उनकी नीलामी की तैयारी निदेशालय स्तर पर की जा रही है।

हमें सुनिश्चित करना चाहिए की चक्रवात के दौरान जनहानि न हो: गोयल

नयी दिल्ली (एजेंसी),

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि सभी हितधारकों द्वारा मिलकर काम करने से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि चक्रवता यास से कोई भी जनहानि न हो। उन्होंने कहा कि चक्रवात के बाद एक व्यवस्थित योजना के तहत राहत और पुनर्वास उपायों को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम कर रही हैं। गोयल ने चक्रवात यास की तैयारियों पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हुए कहा, ''हमें पूरी तरह से सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई जनहानि न हो। केंद्र और राज्य सरकारों तथा उद्योग के प्रतिभागियों के सामूहिक प्रयास से ऐसा किया जा सकता है।'' इससे पहले ताउते से कई लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्री ने बिजली और संचार सुविधाओं में भी न्यूनतम बाधा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि काम को कुशलतापूर्वक करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा, ''रेलवे ने दुर्घटना राहत ट्रेनों, चिकित्सा राहत वैन और टॉवर वैगन जैसे बचाव उपकरणों को तैयार रखा है। हम सभी को छोटे उद्योगों की रक्षा के लिए काम करना चाहिए और बड़े उद्योगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपूर्तिकर्ताओं को सभी आवश्यक सहायता दी जाए।'' गोयल ने कहा कि चक्रवात के गुजरते ही ऑक्सीजन संयंत्र और ऑक्सीजन एक्सप्रेस अस्पतालों की सेवा करना शुरू कर देंगे। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि ऑक्सीजन आपूर्ति के संबंध में कोई चुनौती नहीं है, लेकिन चक्रवात के कारण बिजली आपूर्ति के मोर्चे पर चुनौती खड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि राज्य खुद को उसी के अनुसार तैयार कर रहे हैं'' केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि इस स्थिति में विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय महत्वपूर्ण है।

कोरोना से जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिवारों के लिए टाटा स्टील का बड़ा ऐलान

(एजेंसी):

कोरोना महामारी के बीच कई कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए बड़े ऐलान कर रही हैं। टाटा स्टील ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सोशल सिक्योरिटी स्कीम का ऐलान किया है। इस स्कीम के तहत अगर किसी कर्मचारी की मौत कोरोना से हो जाती है तो कंपनी उस कर्मचारी के परिवार को 60 साल तक सैलरी देगी।

कंपनी ने ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी है। कंपनी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडिल पर एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें इस बारे में पूरी जानकारी दी गई है।

ट्वीट में लिखी ये बात

कंपनी ने ट्वीट में लिखा है कि टाटा स्टील ने **COVID**19 से प्रभावित कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार करके **AgilityWith-Care** का रास्ता अपनाया है जबकि हम अपना काम करते हैं, हम सभी से आग्रह करते हैं कि इस कठिन समय से निकलने के लिए किसी भी क्षमता में अपने आसपास के लोगों की मदद करें।

मिलेंगी ये सभी सुविधाएं

- सैलरी का अमाउंट, मृत कर्मचारी की आखिरी सैलरी के बराबर होगा।
- मृत कर्मचारी/नॉमिनी की 60 वर्ष की उम्र पूरी होने तक की अवधि तक सैलरी दी जाएगी।
- मृतक के परिवार को परिवार को सभी मेडिकल फायदे दिए जाएंगे।
- इसके अलावा उनको हाउसिंग सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।
- कर्मचारी के बच्चों की ग्रेजुएशन पूरी होने तक भारत में पढ़ाई लिखाई का पूरा खर्चा कंपनी उठाएगी।

कंपनी ने कहा है कि कर्मचारी की मौत के बाद भी सर्विस के 60 वर्ष पूरे होने तक उनके परिवार को पूरी सैलरी दी जाएगी। इसके साथ ही कर्मचारी के परिवार को रहने के लिए क्वार्टर दिया जाएगा और साथ ही मेडिकल सुविधा भी दी जाएगी। केवल इतना ही नहीं बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च भी कंपनी उठाएगी।

M&M भी पहले कर चुकी है ये ऐलान

इससे पहले महिंद्रा एंड महिंद्रा भी अपने कर्मचारियों के लिए इस तरह की घोषणा कर चुकी है। **M&M** के जिन भी कर्मचारियों की मृत्यु कोविड की वजह से हुई है उनको कंपनी की ओर से परिवार सहायता कार्यक्रम के तहत आश्रितों को 5 साल तक वेतन और वार्षिक आय की दोगुनी राशि एकमुश्त देगी। इसके अलावा मृत कर्मचारी के बच्चों की पढ़ाई के लिए कक्षा 12 तक प्रति वर्ष प्रति बच्चा दो लाख रुपए तक की मदद दी जाएगी।

4 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा सोने का भाव, पार किया 48000 रुपए का लेवल

(एजेंसी):

भारतीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई। एमसीएक्स पर सोना 0.24 फीसदी की तेजी के साथ चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। **MCX** पर आज 10 ग्राम गोल्ड का रेट 48519 रुपए है। वहीं, चांदी 0.5 फीसदी उछलकर 71,440 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, पिछले सत्र में सोने में 0.22 फीसदी की गिरावट आई थी जबकि चांदी में 1.7 फीसदी की गिरावट आई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट के बाद सोना 4 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इंटरनेशनल मार्केट में भी सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। यहां हाजिर सोना 0.2 फीसदी बढ़कर 1,883.21 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं, अन्य कीमती धातुओं में चांदी 0.4 फीसदी बढ़कर 27.64 डॉलर जबकि प्लैटिनम 0.6 फीसदी बढ़कर 1,173.03 डॉलर हो गया है।

सोने की कीमत पर आधारित होते हैं स्वर्ण ईटीएफ

दुनिया की सबसे बड़ी गोल्ड समर्थित एक्सचेंज ट्रेडेड फंड या गोल्ड ईटीएफ, एसपीडीआर गोल्ड ट्रस्ट की होल्डिंग्स शुक्रवार को 0.6 फीसदी बढ़कर 1,042.92 टन हो गई। स्वर्ण ईटीएफ सोने की कीमत पर आधारित होते हैं और उसके दाम में आने वाली घट-बढ़ पर ही इसका दाम भी घटता या बढ़ता है। मालूम हो कि ईटीएफ का प्रवाह सोने में कमजोर निवेशक रुचि को दर्शाता है। एक मजबूत डॉलर अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए सोने को अधिक महंगा बनाता है।

सोने में निवेश का मौका

आज से सरकार ने जनता को सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दिया है। निवेशक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना के तहत बाजार मूल्य से काफी कम दाम में सोना खरीद सकते हैं। यह योजना सिर्फ पांच दिन के लिए (24 मई से 28 मई तक) खुलेगी यानी आज इसका पहला दिन है। योजना के तहत आप 4,842 प्रति ग्राम पर सोना खरीद सकते हैं यानी अगर आप 10 ग्राम सोने खरीदते है तो उसकी कीमत 48,420 रुपए बैठती है और गोल्ड बॉन्ड की खरीद ऑनलाइन तरीके से की जाती है तो सरकार ऐसे निवेशकों को 50 रुपए प्रति ग्राम की अतिरिक्त छूट देती है। इसमें आवेदनों के लिए भुगतान 'डिजिटल मोड' के माध्यम से किया जाना है। ऑनलाइन सोना खरीदने पर निवेशकों को प्रति ग्राम सोना 4,792 रुपए का पड़ेगा। ऐसे में आपको 47,920 रुपए में 10 ग्राम सोना मिल जाएगा।

मौके पर ही आरटी-पीसीआर टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्पिनी और वनएमजी लैब्स ने की साझेदारी

मुंबई (एजेंसी).

पुरानी कारों के ऑनलाइन खुदरा बिक्री मंच स्पिनी ने मौके पर ही आरटी-पीसीआर टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वनएमजी लैब्स के साथ साझेदारी की है। साझेदारी के तहत स्पिनी वनएमजी लैब्स को डिलीवरी ट्रक उपलब्ध कराएगी। वनएमजी लैब्स इन ट्रकों का इस्तेमाल गुरुग्राम दिल्ली एवं बेंगलुरु में कुछ जगहों पर मौके पर (जांच के लिए) तेजी से नमूने लेने का अभियान चलाने के लिए करेगी। स्पिनी ने साथ ही कहा कि वह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के दिशानिर्देशों के अनुरूप मौके पर नमूने लेने के अभियान में वनएमजी लैब्स की मदद कर रही है। कंपनी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति जिसे कोविड-19 जैसे लक्षण महसूस हो रहे हैं, वह इन चुनिंदा जगहों पर नमूने दे सकता है। स्पिनी के संस्थापक और सीईओ नीरज सिंह ने कहा कि देश की चिकित्सा और स्वास्थ्य प्रणाली की मदद के लिए यह अभियान जरूरी है।

वनप्लस-फ्लिपकार्ट ने वैल्यू स्मार्ट टीवी की शुरुआत के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत किया

बैंगलोर। अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड, वनप्लस ने आज स्मार्ट टीवी के अपने अत्याधुनिक संस्करण, वनप्लस टीवी वाई सीरीज़ का अनावरण किया, जो कि होमग्रोन ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट के साथ भारत की साझेदारी के रूप में है। इस एक उचित कीमत वाले 40-इंच संस्करण के साथ, वनप्लस टीवी वाई सीरीज़ वनप्लस के अनुभव को तनाव-मुक्त बनाता है, फिर भी अन्य मूल्य खंडों में यह देश भर के लाखों ग्राहकों के लिए इसे अधिक सुलभ बनाता है। नया स्मार्ट टीवी वनप्लस के कनेक्टेड इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, जो अपने उपयोगकर्ताओं को एक सहज स्मार्ट होम अनुभव प्रदान करता है।

"नए वनप्लस टीवी वाई सीरीज़ वेरिएंट का लॉन्च भारत में अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए प्रीमियम तकनीक लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे नई गुणवत्ता वाले शेयर और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद को प्रसाद में अधिक सुलभ बनाया जा सके। आज, हमारी वनप्लस टीवी वाई सीरीज़ 101 सीएम (40) वनप्लस कनेक्टेड इकोसिस्टम और स्मार्ट होम के अपने विजन का विस्तार कर रहा है। हमारे नए स्मार्ट टीवी का सफल लॉन्च फ्लिपकार्ट के साथ हमारी उपयोगी साझेदारी का प्रमाण है। फ्लिपकार्ट के साथ हमारी यात्रा 2020 में शुरू हुई और जैसा कि हम पहले ही देख चुके हैं, यह साझेदारी ग्राहकों के एक बड़े वर्ग को नवीनतम तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करने में सक्षम बनाती है। हमें विश्वास है कि यह सार्थक संयोजन भविष्य में हमारे व्यापक समुदाय को लाभान्वित करता रहेगा।" यह बात वनप्लस इंडिया के महाप्रबंधक विकास अग्रवाल ने कही।

वनप्लस टीवी वाई सीरीज़ के लॉन्च को भारत में एक भव्य स्वागत मिला है, उचित रूप से स्मार्ट टीवी सेगमेंट की परिभाषा को फिर से परिभाषित करते हुए, वनप्लस टीवी वाई सीरीज़ उपयोगकर्ता के घर में एक कल्पना, बुद्धिमत्ता और सहज कनेक्टिविटी लाएगी।

बिड़ला समूह की रियल्टी क्षेत्र में वित्त वर्ष 22 में 1000 करोड़ खर्च करने की योजना

कंपनी की परियोजनाओं में सुपर प्रीमियम वोरली प्रोजेक्ट भी शामिल

मुंबई ।(एजेंसी)

बिड़ला समूह की कंपनी सेंचुरी टैक्सटाइल्स एण्ड इंडस्ट्रीज अब रियल एस्टेट कारोबार पर ज्यादा ध्यान देने पर विचार कर रही है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में जारी मौजूदा परियोजनाओं और नई परियोजनाओं के लिए 1,000 करोड़ रुपए का पूंजी व्यय तय किया है। कंपनी की परियोजनाओं में सुपर प्रीमियम वोरली प्रोजैक्ट भी शामिल है। सेंचुरी टैक्सटाइल्स एण्ड इंडस्ट्रीज तीन अलग अलग क्षेत्रों में कारोबार करती है। कंपनी की कागज और लुग्दी, रियल्टी और पेपर टिश्यू के क्षेत्र में अलग अलग इकाइयां हैं। उसके कुल कारोबार में 70 प्रतिशत से अधिक योगदान कागज और लुग्दी व्यवसाय का होता है। बहरहाल, अब कंपनी रियल एस्टेट की तरफ अधिक ध्यान देने जा रही है। एवी बिड़ला समूह की कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कंपनी के अन्य दो कारोबारों के मुकाबले रियल एस्टेट क्षेत्र का पूंजी व्यय नौ गुणा अधिक है। सेंचुरी टैक्सटाइल्स ने 2016 में बिड़ला एस्टेट्स नाम से रियल एस्टेट कारोबार शुरू किया। उसके पास जमीन की अच्छी उपलब्धता है, इस लिहाज से जमीन की लागत के मामले में वह अधिक आकर्षक स्थिति में है। खासकर जिन शहरों में उसका ध्यान है वहां इसका लाभ उठा सकती है।

कंपनी मुंबई, उसके आसपास के इलाकों, दिल्ली एनसीआर, बेंगलूरू और पुणे में रियल्टी परियोजनाओं पर गौर कर रही है। सेंचुरी टैक्सटाइल्स के प्रबंध निदेशक जे सी लाढा ने कहा` कि इस वित्त वर्ष में बिड़ला एस्टेट के लिए हमने 1,000 करोड़ रुपए का पूंजी व्यय रखा है।

हमारा रियल एस्टेट क्षेत्र पर अधिक ध्यान रहेगा और अगले तीन से पांच साल में हम इस क्षेत्र के शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल होना चाहते हैं।

फ्रंटलाइन टीम और पात्र कर्मचारियों के लिए वित्तीय सहायता देने हेतु अमेज़ॅन इंडिया ने कोविड-19 राहत योजना की शुरूआत की

देश की इस महामारी की जंग में, अमेज़न इंडिया ने अपने कर्मचारियों और फ्रंटलाइन टीम को सहयोग करने हेतु कई अन्य पहलों के अलावा, अब कोविड-19 राहत योजना (छ्रक्र) भी शुरू की है। इस पहल के माध्यम से, अमेज़ॅन इंडिया स्टाफिंग एजेंसियों द्वारा नियुक्त सहयोगियों की टीम और अन्य पात्र कर्मचारियों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता के तहत कोविड-19 भत्ता और अतिरिक्त अस्पताल क्षतिपूर्ति प्रदान करेगा। कोविड-19 भत्ता प्रति कर्मचारी 30,600 रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि इन-हाउस कोविड में देखभाल हेतु, चिकित्सा उपकरण, या दवा संबंधी खर्चों के लिए दिया जाएगा। यदि कोविड-19 की वजह से कर्मचारी की अस्पताल में भर्ती की राशि बीमा कवर से अधिक होती है तो ऐसी दशा में अमेज़ॅन इंडिया 1,90,000 रुपये तक के बीमा-अनुमोदित अस्पताल खर्चों का भी मुआवजा देगा।

कोविड-19 राहत योजना के अतिरिक्त, इस चुनौतीपूर्ण समय में अमेज़ॅन इंडिया फ्रंटलाइन टीम और अपने कर्मचारियों के लिए सभी आवश्यक सहयोग भी सुनिश्चित कर रहा है। सभी साइट्स पर स्टाफिंग एजेंसियों द्वारा नियुक्त सहयोगियों की टीम, क्वॉरन्टीन के समय कोविड-19 को कवर करने के लिए, संबंधित स्वास्थ्य देखभाल और उपचार के साथ-साथ एक महीने का अग्रिम वेतन व प्रदत्त अवकाश के पात्र होंगे।

अमेज़ॅन इंडिया स्टाफिंग एजेंसियों की माध्यम से नियुक्त सभी सहयोगियों को चिकित्सा बीमा और ईएसआईसी (श्वस्ढ्ढष्ट) लाभ भी प्रदान करता है। सरकार द्वारा घोषित नियंत्रण क्षेत्रों में रहने वाले फ्रंटलाइन सहयोगियों के स्थानीय प्रतिबंधों के कारण कार्य करने में असमर्थ होने पर 7500 रुपये तक का जीविका भत्ता भी प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, इन टीमों के पास संचार परामर्श और ऑनलाइन चिकित्सा सहायता समाधान कुछ देय शुल्क के साथ और कर्मचारी सहायता कार्यक्रम (ईएपी) जैसी मुफ्त परामर्श सेवा भी उपलब्ध है। अमेज़न के पास सभी फ्रंटलाइन टीमों को कोविड-19 संबंधित आपात स्थितियों के लिए तत्काल सहायता प्रदान करने हेतु कोविड-19 योद्धा टीम भी मौजूद हैं। इसके अलावा अमेज़ॅन के कर्मचारियों और सहयोगियों को कोविड-19 से उबर चुके कर्मचारियों के रक्त प्लाज्मा दाताओं से जोड़ने के लिए एक स्वैच्छिक संगठन भी है।

बैंक कर्मचारी संगठन ने कमजोर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रायोजक बैंकों में विलय का दिया सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी):

बैंक कर्मचारियों के संगठन एआईबीईए ने सोमवार को कहा कि सरकार को पुनर्गठन योजना के तहत कमजोर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का उसके प्रायोजक बैंकों के साथ विलय पर विचार करना चाहिए। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉयज एसोसिएशन (एआईबीईए) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर कहा है कि ऐसा समझा रहा है कि सरकार आरआरबी में आगे और सुधारों पर विचार कर रही है ताकि उन्हें अधिक व्यवहारिक बनाया जा सके। संगठन ने कहा, ''हमारा सुझाव है कि इन आरआरबी को प्रायोजक बैंकों में विलय करना बेहतर होगा क्योंकि इससे प्रायोजक बैंकों के ग्रामीण नेटवर्क में वृद्धि होगी और साथ ही साथ उन कमजोरियों को खत्म किया जा सकेगा, जिनसे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक वर्तमान में जूझ रहे हैं।'' एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने कहा कि इससे निगरानी अधिक प्रभावी होगी क्योंकि वे बैंक का हिस्सा बन जाएंगे और प्रायोजक बैंकों के प्रबंधन के सीधे नियंत्रण में आ जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे किसानों, कृषि श्रमिकों और दस्तकारों को कर्ज एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने के मकसद से इन बैंकों का गठन आरआरबी अधिनियम, 1976 के अंतर्गत किया गया। अधिनियम के तहत केंद्र, संबंधित राज्य सरकारों और प्रायोजक या प्रवर्तक बैंकों की आरआरबी में शेयरधारिता क्रमश॰ 50॰15॰35 प्रतिशत है। केंद्र सरकार के बाद प्रायोजक बैंक आरआरबी में सबसे बड़ा शेयरधारक है। शुरू में आरआरबी की संख्या 196 थी। विभिन्न बैंकों में समेकेन के साथ इनकी संख्या घटकर अब 43 रह गई है। वेंकटचलम ने कहा कि हालांकि आरआरबी के उद्देश्य सराहनीय रहे हैं लेकिन आरआरबी को जो जिम्मेदरी मिली हुई है, वो उन्हें नाजुक और कमजोर बनाती है। उन्होंने कहा कि आरआरबी को मजबूत और जीवंत बनाने के लिए उनके पुनर्गठन के कई प्रयास किए गए हैं लेकिन परिणाम आंतरिक कारणों से उत्साहजनक नहीं रहे हैं।

हॉकी इंडिया के पैनल में 126 नए अंपायर और तकनीकी अधिकारी शामिल

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अपने पैनल में 126 नए अंपायर और तकनीकी अधिकारी शामिल किए हैं जो सब जूनियर और जूनियर वर्गों में होने वाले घरेलू टूर्नामेंटों में अपनी सेवाएं देने के पात्र होंगे। अंपायर और तकनीकी अधिकारियों (जजों) का चयन सितंबर 2020 से इस साल मार्च तक दो चरण की आनलाइन कार्यशालाओं के बाद किया गया। इस सूची में कुल 60 जज (21 महिला और 39 पुरुष) तथा 66 अंपायर (16 महिला और 50 पुरुष) जोड़े गए हैं। चयनित उम्मीद्वार हाकी इंडिया से मान्यता प्राप्त सब जूनियर और जूनियर वर्ग के टूर्नामेंटों के लिए नियुक्ति के पात्र बन गए हैं। उनके पास एशियाई हॉकी महासंघ की वर्तमान आनलाइन शिक्षा कार्यशाला में हिस्सा लेने का मौका भी होगा। इन 126 उम्मीद्वारों का चयन उन 227 प्रतिभागियों में से किया गया जिन्हें हॉकी इंडिया ने शुरुआती सूची में चुना था।

एशियाई मुक्केबाजी

दूसरे दिन एक्शन में दिखेंगे 4 भारतीय

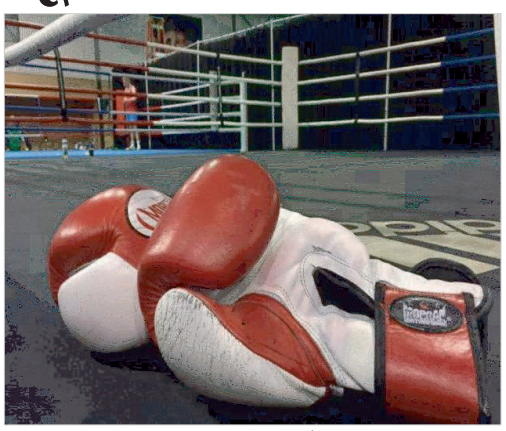

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकीं सिमरनजीत कौर और तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज दुबई में जारी 2021 एएसबीसी एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दूसरे दिन मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में खेलते हुए देश के लिए पदक पक्का करने की कोशिश करेंगी।सिमरनजीत के अलावा साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन (57 किग्रा) और संजीत (91) अन्य भारतीय हैं जो बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) और संयुक्त अरब अमीरात मुक्केबाजी महासंघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस प्रतिष्ठित इवेंट में अपने-अपने वर्ग के अंतिम -8 चरण में एक्शन में होंगे।ओलंपिक का टिकट कटा चुकीं मुक्केबाज सिमरनजीत महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की रेखोना कोदिरोवा से भिड़ेंगी। इसी तरह दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ताजिकिस्तान की रूहाफ्जो हकजारोवा से भिड़ेंगी। महिलाओं के फेदरवेट वर्ग में जैस्मीन, जिन्होंने हाल ही में बॉक्सम टूर्नामेंट के तौर पर अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और रजत पदक जीतने में सफल रही थीं, का सामना मंगोलियाई मुक्केबाज ओयुंटसेटसेग येसुगेन से होगा। पुरुष वर्ग में संजीत को पहले दौर में बाई मिला था और अब उनका सामना ताजिकिस्तान के जासूर कुबोनोव से होगा। मोहम्मद हुसामुद्दीन (56) और शिवा थापा (64 किग्रा), पहले दौर के मुकाबलों में सोमवार की रात एक्शन में दिखेंगे। अगर वे जीत हासिल करते हैं तो मंगलवार को अपने-अपने अंतिम -8 दौर के मैचों में भी प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस टूर्नामेंट में भारत, उज्बेकिस्तान, फिलीपींस और कजाकिस्तान जैसे मजबूत मुक्केबाजी देशों सहित 17 देशों के 150 मुक्केबाज अपनी श्रेष्ठता साबित करने का प्रयास करेंगे। 2019 में बैंकॉक में आयोजित चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में, भारतीय टीम ने दो स्वर्ण सहित 13 पदक जीतते हुए अभूतपूर्व सफलता हासिल की थी।

कोविड 19 : मदद के लिए आगे आया बीसीसीआई, दान देगा 2000 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स

(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को घोषणा की कि वह कोविड-19 महामारी पर काबू पाने में भारत के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए 10-लीटर वाले 2000 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स दान करेगा। चिकित्सा उपकरणों और जीवन रक्षक ऑक्सीजन की मांग में भारी वृद्धि के साथ राष्ट्र कोरोना वायरस की दूसरी लहर की चपेट में है। अगले कुछ महीनों में, बीसीसीआई इस उम्मीद के साथ पूरे भारत में कॉन्सेंट्रेटर्स वितरित करेगा कि जरूरतमंद रोगियों को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता और देखभाल प्रदान की जाएगी और इस पहल से महामारी के कहर को कम किया जा सकेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, बीसीसीआई ने चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा समुदाय की शानदार भूमिका को स्वीकार किया है और इस लंबी लड़ाई के साथ खेलना जारी रखा है। वे वास्तव में अग्रिम पंक्ति के योद्धा हैं और जितना संभव हो उन्होंने हमारी रक्षा की है। बोर्ड ने हमेशा स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है और इसके लिए प्रतिबद्ध है। ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स कोरोना प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करेंगे और उनके शीघ्र स्वस्थ होने में मदद करेंगे। दूसरी ओर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, हम वायरस के खिलाफ इस सामूहिक लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। बीसीसीआई संकट की इस घड़ी में चिकित्सा उपकरणों की सख्त जरूरत को समझता है और उम्मीद करता है कि यह प्रयास मांग-आपूर्ति को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने लोगों से टीकाकरण की अपील करते हुए कहा, मैं सभी से आग्रह करता हूं जो योग्य हैं टीका लगवाएं।

मिकेलसन ने पीजीए चैंपियनशिप जीती, सबसे उम्रदराज मेजर चैंपियन बने

कियावाह आइलैंड (अमेरिका)। फिल मिकेलसन ने रविवार को यहां पीजीए चैंपियनशिप जीतकर मेजर खिताब जीतने वाला सबसे उम्रदराज गोल्फर बनने का रिकार्ड बनाया। मिकेलसन अभी 50 साल के हैं और उन्होंने अपना छठा मेजर खिताब जीता। उन्होंने शुरू में दो बर्डी बनायी जिसके बाद हवा चलने लगी और कोई भी अन्य खिलाड़ी उनकी बराबरी तक नहीं पहुंच पाया। उन्होंने चौथे दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेला और कुल स्कोर में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी लुईस ओस्तुइजेन और ब्रूक्स कोएपका को दो शॉट से पीछे छोड़ा। सबसे उम्रदराज मेजर चैंपियन का रिकार्ड इससे पहले जूलियस बोरोस के नाम पर दर्ज था। उन्होंने 1968 में सैन एंटोनियो में पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीता था। इस तरह से 53 साल तक उनके नाम पर यह रिकार्ड दर्ज रहा। मिकेलसन तीन दशकों में मेजर चैंपियन बनने वाले 10वें खिलाड़ी बने। इस सूची में टाइगर वुड्स भी शामिल हैं।

पीएसजी को एक अंक से पीछे छोड़कर लिली बना फ्रांसीसी चैंपियन

मोनाको (एजेंसी)। लिली ने कुछ विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पिछले चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को एक अंक से पीछे छोड़कर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में पिछले 10 वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। पिछले कई वर्षों में पहली बार ऐसा देखने को मिला जबकि फ्रांसीसी खिताब के लिए आखिरी मैच तक कड़ा मुकाबला हुआ। पीएसजी को अपने खिताब के बचाव की उम्मीद थी लेकिन लिली ने रविवार को एंजर्स को 2-1 से हराकर उसका सपना तोड़ दिया। पीएसजी ने एक अन्य मैच में ब्रेस्ट को 2-0 से हराया था। इस जीत से लिली ने अपना चौथा खिताब जीता और पीएसजी को 10वां खिताब जीतने से रोका। पीएसजी खिताब जीतने पर मार्सेली और सेंट एटिनी के रिकार्ड की बराबरी कर लेता। नेमार पेनल्टी से चूक गए लेकिन काइलियान एमबापे ने लीग का 27वां गोल दागा। उन्हें लीग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जबकि लिली के क्रिस्टोफ गैलटियर को तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ कोच चुना गया। कनाडा के फारवर्ड जोनाथन डेविड ने लिली की तरफ से पहला गोल किया और फिर पेनल्टी हासिल की जिसे तुर्की के बुराक इलमाज ने गोल में बदला। लिली ने अपने खिताबी अभियान में केवल तीन मैच गंवाये जबकि पीएसजी को आठ मैचों में हार मिली थी।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना वायरस से लड़ रहे लोगों की मदद के लिए आगे आए पांड्या ब्रदर्स

वड़ोदरा। भारतीय क्रिकेट टीम के पांड्या बंधु हार्दिक और ऋणाल फिर से कोविड-19 महामारी से जूझ रहे लोगों की मदद कर रहे हैं और संबंधित केंद्रों को आक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स भेज रहे हैं। भारत की तरफ से वनडे और टी20 खेल चुके ऋणाल और हार्दिक पांड्या ने ट्विटर के जरिए यह जानकारी साझा की। ऋणाल ने तस्वीर के साथ ट्वीट किया, आक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स की नई खेप को हर किसी के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थनाओं के साथ कोविड केंद्रों में भेजा जा रहा है। इस ट्वीट को हार्दिक ने भी ट्विटर पर शेयर किया। हार्दिक ने ऋणाल के ट्वीट को शेयर करते हुए लिखा, मिलकर इस महामारी के खिलाफ जंग को जीता जा सकता है। हार्दिक ने कहा, हम एक कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं और मिलकर हम इसे जीत सकते हैं। इस महीने के शुरू में हार्दिक ने घोषणा की थी कि उनके भाई ऋणाल सहित उनका पूरा परिवार देश के ग्रामीण क्षेत्रों में महामारी से लड़ने के लिए 200 आक्सीजन सांद्रक दान करेंगे।

ऑक्सीजन लगाकर खाना बनाती मां के परिवार को भोजन उपलब्ध कराना चाहते हैं सहवाग

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के इस कठिन दौर में पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग भी पीड़ितों की सहायता में लगे हैं। सहवाग ने हाल के दिनों में कोविड-19 मरीजों के लिए आक्सीजन कंसंट्रेटर और भोजन का इंतजाम भी किया था। इसके साथ ही सहवाग ने सोशल मीडिया पर लगातार लोगों से अपील की है कि अगर किसी को इन चीजों की जरूरत हो तो वह उनके फाउंडेशन से संपर्क कर सकता है। इसी के साथ ही सहवाग ने सोशल मीडिया पर एक वायरल तस्वीर भी साझा की है। इस तस्वीर में एक मां ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लगाए रसोईघर में खड़ी है। वह ऑक्सीजन लगाकर रोटियां बना रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सहवाग ने लिखा- मां मां होती है। इसे देखकर आंसू आ गए। सहवाग द्वारा शेयर की गई इस तस्वीर पर कुछ प्रशंसकों ने आपत्ति भी जताई है। उनका कहना है कि मां को महान बताकर बीमारी में उनसे काम करवाना सही नहीं है। हालांकि, इस तस्वीर को शेयर करने के बाद उन्होंने इस महिला और उनके परिवार की सहायता की बात भी कही है। सहवाग ने ट्वीट किया और कहा कि अगर कोई इस महिला या उसके परिवार को जानता है तो उनकी मदद करे, हम उनके और उनके परिवार के लिए ठीक होने तक भोजन का प्रबंध रखना चाहते हैं।

क्रिप्टो कप शतरंज

नीदरलैंड के अनीश गिरि नें बनाई बढ़त

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के सातवे पड़ाव क्रिप्टो कप शतरंज टूर्नामेंट के पहले दिन विश्व के शीर्ष 10 खिलाड़ियों समेत 16 दिग्गज खिलाड़ी प्ले ऑफ मे जगह बनाने के लिए जोर लगाते नजर आए । पहले दिन खेले गए 5 राउंड के बाद नीदरलैंड के अनीश गिरि नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए 2 ड्रॉ और 3 जीत के साथ 4 अंक बनाकर एकल बढ़त कायम कर ली है । अनीश नें अर्जेन्टीना के अलोन पीचोट पर जीतकर दिन की शुरुआत की और उसके बाद चीन के डिंग लीरेन और रूस के अलेक्जेंडर ग्रीसचुक को भी मात दी ,जबकि रूस के डेनियल डुबोव और यूएसए के लेवोन अरोनियन से उन्होने मुकाबले ड्रॉ खेले । विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के लिए दिन कुछ खास नहीं रहा और उन्हे फ्रांस के मकसीम लागरेव नें पराजय का स्वाद चखाया जबकि तीन मुकाबले कार्लसन नें ड्रॉ खेले , दिन की एकमात्र जीत उन्हे अजरबैजान के ममेद्यारोव के खिलाफ हासिल हुई । पहले दिन के खेल के बाद अनीश गिरि 4 अंको के साथ पहले , 3.5 अंको के साथ यूएसए के हिकारु नाकामुरा ,फ्रांस के मकसीम लागरेव और यूएसए के वेसली सो सयुंक्त दूसरे स्थान पर है । अन्य खिलाड़ियों मे अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव ,फीडे के अलीरेजा फिरोजा और चीन के डिंग लीरेन 3 अंक ,रूस के इयान नेपोंनियची ,नॉर्वे के मेगनस कार्लसन और यूएसए के फबियानों करूआना 2.5 अंक , यूएसए के लेवोन अरोनियन ,रूस के डेनियल डुबोव और पीटर स्वीडलर 2 अंक ,अजरबैजान के ममेद्यारोव 1.5 अंक ,रूस के ग्रीसचुक 1 अंक तो अर्जेन्टीना के अलोन पीचोट डु अंक बनाकर खेल रहे है ।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में हर सत्र पर ध्यान देना होगा : शुभमन

नई दिल्ली। युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा है कि टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी तैयारियों में लगी हुई है। शुभमन ने कहा कि इंग्लैंड में होने वाले इस मुकाबले को देखते हुए हर सत्र पर ध्यान देना होगा। शुभमन अभी इंग्लैंड दौरे से पहले टीम के अन्य साथियों के साथ मुंबई में 14 दिन के क्वारंटाइन में हैं। सीनियर टीम के साथ वह पहली बार इंग्लैंड जा रहे हैं। शुभमन ने इस दौरान कप्तान विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को लेकर भी अपने विचार रखे। शुभन ने कहा , 'विराट भाई जब भी मुझसे खेल के बारे में बात करते हैं तो निडर होकर खेलने के लिए कहते हैं. वह मानसिकता के बारे में काफी बात करते हैं और अपने अनुभव साझा करते हैं। वहीं जब मैं रोहित भाई के साथ बल्लेबाजी कर रहा होता हूं तो हम औम तौर पर इस पर बात करते हैं कि गेंदबाज कहां गेंद करेगा, हालात कैसे होंगे और उस आधार पर कब हमें खतरा उठाना चाहिये। शुभमन इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे पर अब वह पूरी तरह से तैयार हैं। भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे की शुरुआत 18 जून को न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल से होगी, इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। शुभमन ने कहा, 'हमने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया। हम विदेशों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मुझे लगता है कि हम इस फाइनल के लिए इससे बेहतर तैयारी नहीं कर सकते हैं। सलामी बल्लेबाज होने के नाते आपको केवल इंग्लैंड ही नहीं, बल्कि विदेशों में सत्र दर सत्र खेलने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'एक बार में एक सत्र पर ध्यान देना अहम होता है। इंग्लैंड में जब भी बादल छाए होते हैं तब गेंद अधिक स्विंग करती है और जब धूप खिली होती है तो बल्लेबाजी करना आसान होता है। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में इन हालातों का आंकलन करना महत्वपूर्ण है। क्वारंटाइन के बारे में शुभमन ने कहा, 'यह बेहद कठिन समय है। आपको 14 दिन तक कमरे में रहना पड़ता है और आपके पास करने के लिए कुछ खास नहीं होता है। हमें हर दिन का कार्यक्रम सौंपा गया है और हम उसके अनुसार चलते हैं। हम स्वयं को फिल्में देखने में व्यस्त रखते हैं या कुछ समय आई पैड पर बिताते हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह बहुत कठिन है।

कंधे की चोट के कारण शापोवालोव फ्रेंच ओपन से हटे

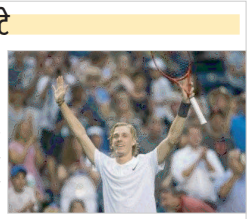

लंदन। कनाडा के डेनिस शापोवालोव कंधे की चोट के कारण फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। विश्व रैंकिंग में 14 वें स्थान पर मौजूद शापोवालोव ने हाल ही में जेनेवा ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में उन्हें हालांकि कैसपर रुड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। डीपीए रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद शापोवालोव कंधे की टेस्टिंग के लिए गए और उन्होंने रविवार से होने वाले साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन में नहीं खेलने का फैसला किया। शापोवालोव ने ट्वीट कर कहा, मुझे दुख के साथ यह सूचित करना पड़ रहा है कि अपनी मेडिकल टीम के साथ चर्चा करने के बाद मुझे फ्रेंच ओपन से हटने जैसा कठिन फैसला लेना पड़ रहा है। मेरा कंधा मुझे परेशान कर रहा है। हालांकि, मेडिकल टेस्ट सही है लेकिन यह अच्छा है कि आराम किया जाए। शापोवालोव तीन बार फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचे हैं और वह 2018 और 2020 में दूसरे दौर तक पहुंचे थे।

लिवरपूल और चेल्सी चैंपियन्स लीग में, लीस्टर की उम्मीदें टूटी

लिवरपूल (एजेंसी)। लिवरपूल और चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में शीर्ष चार में स्थान बनाकर चैंपियन्स लीग के लिये क्वालीफाई किया जबकि लीस्टर सिटी हार के कारण आखिर मे पांचवें स्थान पर रहा। चेल्सी को एस्टन विला ने 2-1 से हराया लेकिन लीस्टर की टोटैनहैम के हाथों 4-2 से हार के कारण वह चौथा स्थान हासिल करने में सफल रहा। लिवरपूल ने सैडियो माने के गोल से क्रिस्टल पैलेस को 2-0 से हराकर मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बाद तीसरा स्थान हासिल किया। ईपीएल की दो अन्य प्रमुख टीमें यूरोपा लीग में जगह बनाने में नाकाम रही। आर्सनल ने अपने अंतिम मैच में ब्राइटन को 2-0 से हराया लेकिन इसके बावजूद उसे लगातार दूसरे साल आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा जबकि टोटैनहैम ने भी मैच जीता लेकिन वह सातवें स्थान पर रहा। जश्न का माहौल हालांकि मैनचेस्टर में था जहां सिटी ने पिछले 10 सत्र में पांचवी बार प्रीमियर लीग का खिताब जीता। उसने अपने आखिरी मैच में एवर्टन को 5-0 से करारी शिकस्त दी। सिटी ने 12 अंक के अंतर से खिताब जीता लेकिन दिसंबर में ऐसी संभावना नहीं लग रही थी क्योंकि तब पेप गार्डियोला की टीम शीर्ष स्थान पर काबिज टीम से पांच अंक पीछे थे। अब अगर सिटी चैंपियन्स लीग फाइनल में चेल्सी को हरा देता है तो यह इस सत्र में उसका तीसरा खिताब होगा। सिटी के 86 और यूनाइटेड के 74 अंक रहे। इनके बाद लिवरपूल (69), चेल्सी (67), लीस्टर सिटी (66) और वेस्ट हैम (65) का नंबर आता है। दूसरी डिवीजन में खिसकने वाली तीन टीमों का निर्धारण हो गया। फुल्हम को न्यूकास्टल के हाथों 2-0 से हार का सामना करना पड़ा जबकि वेस्ट ब्रोमविच को लीड्स ने 3-0 से हराया। अंतिम स्थान पर रहे शैफील्ड यूनाइटेड को बर्नले ने 1-0 से पराजित किया।

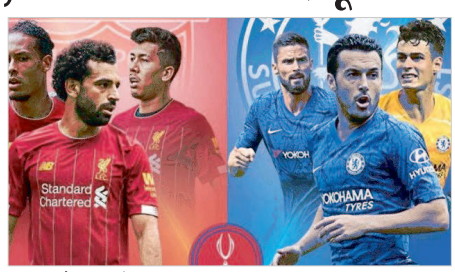

कोरोना काल में जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी रेनेडी

इम्फाल। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर रेनेडी सिंह उनके गृह राज्य मणिपुर में कोरोना के बढ़ते मामले के बीच जरूरतमंदों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था करा रहे हैं।41 वर्षीय रेनेडी ने कहा, हम सभी के लिए यह कठिन समय है। हमारे फ्रंटलाइन कर्मचारी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। समय की मांग है कि हम हर संभव तरीके से मदद करें। हमारे डॉक्टर, पुलिस, आईएएस अधिकारी और व्यवसायी वर्गे में मित्र हैं जो इस अभियान में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मणिपुर तथा समूचे देश से लोग मदद के लिए आगे आ रहे हैं। हम ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने की कोशिश कर रहे हैं जिससे जरूरतमंदों को दिया जा सके। रेनेडी ने कहा, महामारी के कारण मणिपुर अन्य क्षेत्रों से थोड़ा कट गया है। हमारी सरकार पूरी कोशिश कर रही है लेकिन सभी चीजों के लिए समय की जरूरत होती है। हमारे पास राज्य में तीन ऑक्सीजन प्लांट है लेकिन क्षमता ज्यादा नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य खाली और भरा हुआ ऑक्सीजन सिलेंडर को इकट्ठा करना और अस्पताल में आपूर्ती करना है। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स पर भी हमारी नजर है। रेनेडी ने 1998 से 2011 तक भारत के लिए 72 मैच खेले और संन्यास लेने के बाद वह कोचिंग में गए।

मल्टी-एसेट फंड विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में एक संतुलित आवंटन प्रदान करते हैं-म्यूचुअल फंड वितरक द्वारा

सूरत। भारत में महामारी की दूसरी लहर ने एक बार फिर निवेशकों को चिंतित कर दिया है क्योंकि इक्विटी बाजारों ने मार्च 2020 से मार्च 2021 तक एक सुंदर कदम देखा। अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव के कारण सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक भी विभिन्न संभावित तरीकों से अर्थव्यवस्था का समर्थन कर रहे हैं। नतीजतन, डेट इंस्ट्रूमेंट्स के प्रदर्शन, जो कम रहने की उम्मीद है, का भी अनुमान लगाया जा सकता है। एक और परिसंपत्ति वर्ग है जिस पर भारतीय भरोसा कर सकते हैं - सोना। कोविड -19 प्रसार के पहले कुछ महीनों में सोने की कीमत में तेज वृद्धि देखी गई और जल्द ही पीली धातु अपनी चमक खोने लगी।

जब छोटे निवेशक बेहतर विकल्प के लिए संघर्ष कर रहे हों तो संकटग्रस्त इक्विटी बाजारों और अन्य परिसंपत्ति वर्गों में घटते रिटर्न का संयोजन एक सुरक्षित मार्ग माना जाता है।

इस तरह की स्थिति में बुनियादी बातों पर टिके रहना जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यक्तिगत वित्त क्षेत्र में एक व्यक्ति पूरे निवेश को एक ही टोकरी में नहीं रखेगा। दूसरे शब्दों में, अपने निवेश कोष को विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में फैलाएं। कई परिसंपत्ति वर्गों में से एक में घटते पोर्टफोलियो को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह इसे पचाने में सक्षम है क्योंकि यह बहुत कम संभावना है कि प्रत्येक परिसंपत्ति वर्ग एक ही समय में खराब प्रदर्शन करेगा।

उपरोक्त रणनीति को व्यवहार में लाने का एक आसान तरीका मल्टी-एसेट म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश करना है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अनुसार, मल्टी-एसेट फंड म्यूचुअल फंड होते हैं जो तीन परिसंपत्ति वर्गों में से प्रत्येक में 10त्न के आवंटन के साथ कम से कम तीन अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करते हैं।

सीधे शब्दों में कहें, उदाहरण के लिए, यह एक म्यूचुअल फंड हो सकता है जो इक्विटी, डेट इंस्ट्रूमेंट्स और सोने में एक साथ निवेश करता है। इसके अलावा, प्रत्येक परिसंपत्ति वर्ग में 10त्न निवेश करने की अनिवार्य आवश्यकता है जो फंड प्रबंधकों को बदलती आर्थिक परिस्थितियों के सामने निवेश तरलता बनाए रखने के लिए बहुत सारे अवसर प्रदान करता है।

गैंगवार का विडियो, अनु-करीम चीना के शख्सों ने झगड़ा किया

दबंग बुटलेगर अनु साथियों के साथ खुलेआम तलवार लेकर आते थे : आरोपियों की खोजबीन शुरू

सूरत ।

सूरत के दबंग अनु और करीम चीना के बीच अनु की पत्नी को लेकर गैंगवार पैदा हो गया था। गैंग के बीच मारपीट होने के बाद अनु भाग रहा था तब रास्ते में पुलिस ने अनु को रोका। अब अनु सामने होकर पुलिस पर तलवार से हमला किया। घटना की जानकारी मिलने पर उच्च पुलिस अधिकारियों का काफिला घटना स्थल पर पहुंच गया। अपराध दर्ज करके तथा आरोपियों को गिरफ्तार करने की खोजबीन शुरू कर दी। शहर में देर रात को मानदरवाजा क्षेत्र में एक कॉन्स्टेबल की हत्या की कोशिश करने पर सनसनी मच गई। इस क्षेत्र के दबंग बुटलेगर अनु अपने परिवार और साथियों के साथ खुलेआम तलवार लेकर आता था तब बंदोबस्त में रही पुलिस ने इसका पीछा करने पर नाराज हुए अनु ने पुलिस को तलवार मार दी। हालांकि, गैंगवार का यह विडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। मानदरवाजा क्षेत्र में शराब के अड्डा चलाते दबंग बुटलेगर अनु का इस क्षेत्र के जाफर मांजरा के साथ लंबे समय से झगड़ा चल रहा है। यह दोनों दबंग होने से बारबार एक दूसरे की गैंग पर हमला करते है। इस दौरान रविवार को रात को जाफर मांजरा के भाई के साथ अनु का विवाद होने पर वह इसकी पत्नी, परिवार के अन्य सदस्य और साथियों को लेकर जाफर मांजरा के भाई के पास पहुंचे। वहां झगड़ा करके वह वापस आ रहे थे तब कर्फ्यू के समय में खुली तलवारों के साथ उनको देखने पर बंदोबस्त में रही पुलिस चौंक गई थी। पुलिस ने उनको रोकने की कोशिश की थी लेकिन वह भाग गये। पुलिस ने उनका बुलेट पर पीछा किया। उस समय में अनु ने आत्मसमर्पण कबूल करने के बदले कॉन्स्टेबल विजय कामुल पर तलवार से हमला कर दिया। यह कॉन्स्टेबल को पेट के हिस्से में चोट आई थी। यह मामले की जानकारी मिलने पर उच्च पुलिस अधिकारियों का काफिला मानदरवाजा क्षेत्र में पहुंचकर और अपराध दर्ज करके तथा आरोपियों को गिरफ्तार करने की खोजबीन शुरू कर दी।

गुजरात में टीकाकरण के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

केंद्र के नियमों को नहीं मानेगी राज्य सरकार

गांधीनगर ।

गुजरात में कोविड टीकाकरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। केंद्र ने राज्य सरकारों को ऑनसाइट पंजीकरण पर निर्णय लेने का अधिकार दिया था। लेकिन गुजरात सरकार केंद्र के नियम का पालन नहीं करने का ऐलान किया है। गुजरात स्वास्थ्य सचिव डॉ। जयंती रवि ने स्पष्ट किया है कि मीडिया में ऐसी खबरें आ रही हैं कि राज्य में १८ से ४४ वर्ष की आयु के लोगों के लिए कोरोना टीकाकरण अब बिना ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से भी हो सकता है। जयंती रवि ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा टीकाकरण की प्रक्रिया वैसी ही है जैसी पूर्व पंजीकरण से जगह, समय और तारीख देकर की जाती है। राज्य सरकार ने वेबसाइट और एप के माध्यम से टीकाकरण के लिए पंजीकरण और अप्वाइंटमेंट की जरूरत नहीं रहेगी।

दरअसल केंद्र ने इसलिए यह फैसला किया है कि कई लोग वैक्सीन के लिए स्लॉट बुक तो करवा लेते थे। लेकिन वक्त और

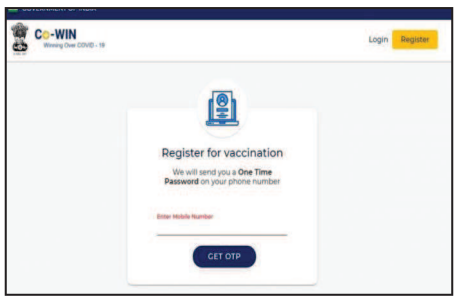

मिलने वाले टीकाकरण केंद्र पर टीका लगवाने के लिए नहीं पहुंचते हैं। जिसकी वजह से टीका के डोज की खराब होने की संभावना जताई जा रही है। इतना ही नहीं केंद्र से यह भी शिकायत की जा रही थी कि कोरोना ने ग्रामीण इलाकों में भी कहर मचा रखा है। ग्रामीण इलाके में रहने वाले लोग ऑनलाइन बुकिंग नहीं करवा सकते थे। इसलिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अब नियमों में बदलाव कर कुछ आसान कर दिया।

कांग्रेस के युवा नेता ने चक्रवात में प्रभावित लोगों की मदद के लिए बढ़ाए हाथ

सूरत भूमि, सूरत। 2437 गांवों में बिजली गुल, 40 हजार से ज्यादा पेड़ ढह गए, पेड़ गिरने और बिजली के खंभे गिरने की वजह से 196 रास्ते बंद, पूरे गुजरात में 16,500 झोपड़ों को नुकसान हुआ हैं जिसके चलते सूरत शहर के युवा कांग्रेस नेता लक्ष्मीकांत पटेल द्वारा तौकते चक्रवात से प्रभावित सौराष्ट्र में मदद स्वरूप राशनकीट पहुँचाने का प्रयास किया गया हैं।

निजी कोविड अस्पताल में खाली बेड की संख्या में वृद्धि

अहमदाबाद ।

गुजरात में अब धीरे-धीरे कोरोना आतंक कम हो रहा है। लगातार प्रतिदिन कोरोना के केस में कमी हो रही है और रिकवरी रेट में वृद्धि हो रही है। जिसकी वजह से अहमदाबाद निजी कोविड अस्पताल में खाली बेड की संख्या में भारी वृद्धि देखने को मिल रही है। अहमदाबाद की निजी कोविड अस्पताल में अलग-अलग प्रकार के कुल ६८ फीसदी बेड खाली रहे है। निजी कोविड अस्पताल में स्थित एएमसी और निजी कोटे के तहत ७५७३ बेड में से ५१४८ बेड खाली, २४२५ बेड पर मरीज भर्ती है।

निजी कोविड अस्पताल में आईसीयू विथ वेंटीलेटर के एएमसी कोटे मे १५ बेड जबकि निजी कोटे में ४३ बेड खाली है। अहमदाबाद में स्थित १७४ निजी कोविड अस्पताल में एएमसी कोटा तथा निजी कोटे में कोरोना का इलाज किया जा रहा है। निजी अस्पताल में एएमसी कोटे के तहत १०२० बेड मरीजों के लिए आवंटन कराया गया है। एएमसी कोटे के कुल १०२० बेड में से ७२२ बेड खाली है तो २९८ बेड फुल हो गये है। एएमसी कोटे में आईसीयू विथ वेंटिलेटर के २९ बेड खाली है जबकि ६१ बेड पर कोरोना के मरीज उपचार के तहत है। एएमसी कोटे में आईसीयू विथ आउट वेंटिलेटर के १४५ बेड खाली है, जबकि ७८ बेड पर मरीज भर्ती है। एक तरफ एएमसी कोटे में आइसोलेशन का सिर्फ

एक बेड खाली है। एएमसी कोटे में ५४७ एचडीयू बेड खाली है, जबकि १५९ बेड पर मरीज उपचार के तहत है। निजी कोविड अस्पताल के निजी कोटे में ६५५३ बेड खाली है, जबकि २१२७ बेड पर मरीज उपचार ले रहे हैं। एक तरफ निजी कोटे में आईसीयू विथ वेंटिलेटर के ७८ बेड खाली है, तो ३४६ बेड पर कोरोना के मरीज उपचार के तहत है। निजी कोटे में आईसीयू विथ आउट वेंटिलेटर के ४०१ बेड खाली है और ५६६ बेड पर मरीज भर्ती है।

सूरत नगर निगम ने करोड़ों रुपये का प्लॉट बेचने का किया ऐलान

सूरत ।

सूरत नगर निगम द्वारा अलग-अलग जोन में मौजूद करोड़ों रुपये का प्लॉट बेचने का ऐलान किया है। नगर निगम के इस फैसले का पहली बार सूरत नगर निगम में विपक्ष की भूमिका अदा करने वाली आम आदमी पार्टी ने विरोध किया है।

आप नेता धर्मेश भंडेरी ने कहा कि सूरत नगर निगम में भाजपा पिछले २७ साल से सत्ता में है। सूरत नगर निगम का जकात का अरबों रुपया जमा रहता था। लेकिन आज उसी भारतीय जनता पार्टी ने निगम को एक निजी फर्म की तरह चला रही है। जिसकी वजह से स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है कि निगम का खजाना खाली हो गया है। ऐसे समय में भाजपा की चुनी हुई शाखा सूरत शहर के लोगों के स्वामित्व वाले आरक्षण के भूखंडों को बेचकर धन जुटाना चाहती है।

आम आदमी पार्टी के नेता धर्मेश भंडेरी ने गुजरात सरकार पर सूरत नगर निगम के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि नगर निगम के अधिकारी राज्य सरकार से अपने हक का पैसा मांग नहीं सकती। भारतीय जनता पार्टी के इस जनविरोधी फैसले से सूरत के लोगों का व्यापक नुकसान होगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि हम इस फैसले का इसलिए भी विरोध करते हैं क्योंकि भाजपा अपने चाहने वालों को भूखंड देकर फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

आम आदमी पार्टी के नेता ने अनुरोध के साथ इस भूखंड को खरीदने वाले लोगों को चेतावनी देते हुए है कि यह भूखंड सूरत के देशभक्त लोगों का है। इसलिए इसकी खरीदार कर लोगों को मिलने वाली सुविधा से वंचित रखेंगे। इसे खरीदने वाला कभी खुश नहीं होगा। नगर निगम की सत्ता आज किसी के पास है लेकिन कल किसी ओर के हाथों में होगी।

सूरत। सूरत स्थित गोपीपुरा के श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ परमात्मा जैन देरासर का कल 250 वा सालगिरह का अलौकिक अवसर था। परमात्मा की सोने की अंग रचना की गई। संपूर्ण देरासर को फूलों से सुशोभित किया गया। दीयों की रोशनी से जिनालय को प्रकाशित किया गया। भक्तों द्वारा भी सुंदर परमात्मा की भक्ति का आयोजन हुआ।

'ब्लैक फंगस' और अब मरीजों में बढ़ गया 'गैंग्रीन' का खतरा

गांधीनगर ।

कोरोना से जिंदगी की जंग जीतने के बाद भी लोगों को कई परेशानियों से दो-चार होने पड़ रहा है। कोरोना को मात देने वाले लोगों पर जहां जानलेवा ब्लैक फंगस का खतरा मंडरा रहा था। वहीं दूसरी तरफ गुजरात के मरीजों में एक और गंभीर बीमारी का खतरा मंडरा रहा है।

इस बीमारी को गैंग्रीन कहा जाता है इसकी चपेट में आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह ऐसी बीमारी है जिसमें रोगी की नसों में रक्त के थक्के बन जाते हैं। जिसकी वजह से कई रोगियों को अपना अंग खोना पड़ता है। गैंग्रीन एक ऐसी समस्या है जिसमें मरीजों की नसों में खून के थक्के जमने लगते है। इसके चलते उसके अंग को काटने की नौबत आ जाती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना से ठीक हुए लोगों के शरीर के हाथों और पैरों की धमनियों में रक्त के थक्के जमा हो रहे हैं। जिससे लोग गैंग्रीन नामक इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। कुछ मामले इतने खराब हो जाते हैं कि जबतक वह अस्पताल में पहुंचते हैं बहुत देर हो चुकी होती है।

जिसकी वजह से रोगियों ने अपना अंग खोना पड़ता है। जिन मरीजों का कोरोना का इलाज हो चुका है उनके लिए एक और समस्या खड़ी हो सकती है। अहमदाबाद में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं जो हाल ही में कोरोना से ठीक हुए हैं। लेकिन अब वह अपने हाथ और पैर में भयंकर दर्द की शिकायत कर रहे हैं। उत्तर गुजरात के बनासकांठा जिले के भाभर निवासी २६ वर्षीय हिरजी लुहार को गैंग्रीन होने के बाद अपना एक पैर खोना पड़ा था।

अहमदाबाद के वैस्कुलर सर्जन डॉ मनीष रावल ने इस सिलसिले में जानकारी देते हुए बताया कि मरीज कोरोना से संक्रमित था और करीब दो हफ्ते पहले ठीक हो गया था। लेकिन बाद में अचानक उसके पैरों में दर्द होने लगा। उसके बाद पैर सुन्न पड़ने लगा। जब तक वह अस्पताल में भर्ती होते बहुत देर हो चुकी थी। जिसकी वजह से मरीज की जान बचाने के लिए उसका पैर काटना पड़ा।

लैंक्सेस इंडिया का 2.1 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरणों का योगदान

सूरत।

लैंक्सेस इंडिया ने सीएसआर के हिस्से के रूप में कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ अपनी लड़ाई में देश में चिकित्सा के बुनियादी ढांचे की मदद के लिए 2.1 करोड़ रुपये से अधिक का दान देने का वचन दिया है। दूसरी लहर में कोविड-19 मामलों में काफी तेजी आई है और रोगियों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों की भारी मांग रही है। चिकित्सा संस्थानों को स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में मदद करने के लिए, लैंक्सेस इंडिया ने ठाणे और मुंबई (महाराष्ट्र), उज्जैन (मध्य प्रदेश) और अंकलेश्वर एवं भरूच (गुजरात) में अस्पतालों के लिए लगभग 1.9 करोड़ रुपये के 20 ऐडवांस्ड जर्मन वेंटिलेटर दान किए हैं। इसके अलावा देश में बढ़ती मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा करने के लिए लैंक्सेस इंडिया ने जिला अस्पताल, उज्जैन को दस ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान किए हैं।

कंपनी ने नागदा में कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल (ईएसआईसी) को 10 लाख रुपये का दान दिया है ताकि उनके मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और रोगियों को बेहतर चिकित्सा उपलब्धता कराने में मदद की जा सके।

कंपनी ने इन वेंटिलेटरों को महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के नौ अस्पतालों में दान किया जहां कंपनी के साइट और कार्यालय हैं। इनमें ठाणे का कौशल्या मेडिकल फाउंडेशन ट्रस्ट अस्पताल और बेथानी अस्पताल, मुंबई में शुश्रुषा अस्पताल, अंकलेश्वर में जयाबेन मोदी अस्पताल, भरूच में सेवाश्रम अस्पताल और सिविल अस्पताल और उज्जैन में पाटीदार अस्पताल, जे अस्पताल और एसएस अस्पताल और अनुसंधान केंद्र शामिल हैं। ये अस्पताल कोविड-19 रोगियों के उपचार के लिए इन वेंटिलेटरों का उपयोग करेंगे।

LANXESS
Energizing Chemistry

लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नीलांजन बनर्जी ने कहा, च्भारत में कोरोनावायरस महामारी की वर्तमान दूसरी लहर ने हमारे देश के चिकित्सा बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया है और इससे महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी हो गई है। हमारे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रयासों के एक हिस्से के रूप में लैंक्सेस में हमने एक बार फिर से ठाणे में हमारे मुख्यालय और नागदा एवं झगडिया में हमारे विनिर्माण स्थलों के आस-पास के कुछ अस्पतालों की आधारभूत संरचाना को बेहतर बनाने में सहयोग करने का प्रयास किया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)